



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 19, 1980 (आषाढ़ 28, 1902)
No. 29] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 19, 1980 (ASADHA 28, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय
महानिदेशक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 20 जून 1980

सं० ई-32015(1)/1/80-कार्मिक-राष्ट्रपति, श्री बलराज मेहता, अग्नि सलाहकार, के० आर० सु० व०, को उपा महानिरीक्षक (अग्नि) नियुक्त करते हैं जिन्होंने 19 जून, 1980 के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

(ह०) अपठनीथ
महानिरीक्षक
के० आर० सु० व०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 जून 1980

सं० 11/43/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत श्री धीनानाथ शर्मा को उसी कार्यालय में दिनांक 7 जून, 1980 के पूर्वाह्न में एक वर्ष की अवधि के लिए या जब

तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री शर्मा को सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को मक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

दिनांक 27 जून 1980

सं० 10/40/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत डा० एम० आर० मेहता को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 16 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, अस्थायी क्षमता में सीधी भर्ती के तौर पर, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा० मेहता का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/49/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, दिल्ली प्रशासन के अधिकारी श्री अशरफी लाल को दिल्ली में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 9 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री अशरफी लाल का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 30 जून 1980

सं० 11/42/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय के के० सं० आ० सं० (सी० एस० एस० एस०) के ग्रेड "क" के अधिकारी श्री प्रेम नरैनी को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 9 जून, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नरैनी का मुख्यालय बम्बई में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 25 जून 1980

नस्ती क्रमांक बी एन पी/सी/5/80—अधोहस्ताक्षरकर्ता निम्नलिखित स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षकों (स्याही कारखाना) को नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से तकनीकी अधिकारी (स्याही कारखाना) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 17-5-1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

1. श्री जे० एन० गुप्ता
2. श्री अरुण कुमार इंगले

विभागीय पवोनन्ति समिति द्वारा लिये गये निर्णयानुसार उन्हें गुणानुक्रम में दर्शाया गया है।

दिनांक 26 जून 1980

हा० सं० बी एन पी/सी/5/80—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-4-80 के अनुक्रम में श्री आर० सी० अग्रवाल की तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 25-6-80 से आगामी तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम,
महाप्रबन्धक

होशंगाबाद, दिनांक 17 जून 1980

सं० पी डी/3/3108—इस कार्यालय के अधिसूचना क्रमांक पी० डी० 3/2479, दिनांक 3-6-1980 के आगे श्री एम० के० आनन्द, सहायक कार्य प्रबन्धक को स्थानापन्न अवधि श्री पी० पी० शर्मा सहायक कार्य प्रबन्धक के अवकाश रिक्त स्थान पर दिनांक 4-7-1980 तक बढ़ाई जाती है।

श० रा० पाठक,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 जून 1980

सं० 1173, ए-प्रशासन/130/79-80—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्री ए० एस० रंगनाथन, अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, दिनांक 31-5-1980 (अपराह्न) लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

के० बी० दास भौमिक,
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 11 जून 1980

सं० 37/80/जी०—राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|--------------------------|------------------|
| 1. श्री एस० एफ० कुटिनहो | 16 जुलाई, 1979 |
| 2. श्री एन० एच० एस० अहमद | 26 दिसम्बर, 1979 |
| 3. श्री एस० सी० बाजपाई | 31 दिसम्बर, 1979 |
| 4. श्री अब्दुल हमीद | 21 फरवरी, 1980 |
| 5. श्री आर० के० शर्मा | 5 अप्रैल, 1980 |

सं० 38/80/जी०—राष्ट्रपतिजी, निम्नलिखित अधिकारियों को अस्थायी सहायक प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|--------------------------|----------------|
| 1. श्री एम० के० मिश्रा | 13 जनवरी, 1980 |
| 2. श्री जी० मोहन सिंह | 23 जनवरी, 1980 |
| 3. श्री वी० एल० पाथारिया | 30 जनवरी, 1980 |

दिनांक 12 जून 1980

सं० 39/80/जी०—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि/अस्थायी) के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से नियुक्त करते हैं :—

परखावधि

- | | |
|--------------------------|----------------|
| 1. श्री विनोद कुमार सिंह | 30 मार्च, 1979 |
| (संदर्भ : ई०एस० ई० 1977) | |

2. श्री रविशंकर 26 दिसम्बर, 1979
(सन्दर्भ : आई० ए० एस०
इत्यादि, परीक्षा) 1978
3. श्री मदन गोपाल कमबोज 9 जनवरी, 1980
(सन्दर्भ : ई० एस० ई० 1978)

बम्बई के उप-निदेशक (धातुकर्म) के पद से त्याग पत्र दिनांक
10 अप्रैल, 1980 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उप-निदेशक (प्रशा०)

अस्थायी

4. श्री श्वेत चन्द्र 29 अक्तूबर, 1979
5. श्री सुरेश चन्द्र 22 जनवरी, 1980
6. श्री उमेश सक्सेना 27 अगस्त, 1979
7. श्री जगदीश मोहन सक्सेना 29 जून, 1979
8. श्री गेन्दा लाल शेरामनी 2 नवम्बर, 1979
9. श्री नामदेव शाहु बोरेकर 17 सितम्बर, 1979
10. श्री प्रदीप विश्वास 21 जनवरी, 1980

(क्रम संख्या 4-10-संदर्भ यू० पी० एस० सी० सं० एफ०
1/329/78/आर० डी० दि० 7-10-78)

दिनांक 20 जून 1980

सं० 41/80/जी०—राष्ट्रपति महोदय, श्री महेन्द्रगुप्ता को
सहायक प्रबन्धक (परखावधि)। प्रशासन के पद पर दिनांक
16-1-1980 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

सं० 42/80/जी०—राष्ट्रपति महोदय, श्री बी० के० शर्मा
को सहायक प्रबन्धक (परखावधि)/इंजीनियरिंग के पद पर,
दिनांक 28-1-1980 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक,
फैक्टरियां आईएनएस

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 26 जून 1980

सं० ई०-11(7)—इस विभाग के अधिसूचना सं० ई०
11(7), दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 6 प्रभाग-3 के
अधीन “सिसमिक इलेक्ट्रीक डिटोनेटर्स” प्रविष्टि के पश्चात्
निम्नलिखित जोड़ा जाये, अर्थात्:

1. “सुपर प्लेन डिटोनेटर्स (सं० 8 स्ट्रेन्थ)”।
2. “सुपर इलेक्ट्रीक डिटोनेटर्स (सं० 8 स्ट्रेन्थ)”।

सं० ई-11(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई-11(7)
दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 3 प्रभाग-1 के अधीन
“प्रचण्ड” प्रविष्टि के पश्चात् “प्रचार, प्रगल्प और प्रकाश”
जोड़ा जाये।

इंगुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 26 जून 1980

सं० ए-19011(208)/78-स्था० ए०—संघ लोक सेवा
आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री गुगुचारी कनिष्ठ
खान इंजीनियर, को दिनांक 20-3-1980 पूर्वाह्न से भारतीय
खान ब्यूरो में सहायक खान नियन्त्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति
प्रदान करते हैं।

दिनांक 28 जून 1980

सं० ए-19011(63)/70-स्था० ए०—दिनांक 6-6-1980
(अपराह्न) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर श्री एन० ए०
भुशामनियन स्थायी उप अग्रस्त प्रसाधन अधिकारी तथा स्थापना-
पत्र अग्रस्त प्रसाधन अधिकारी को एन० द्वारा 6-6-1980 के
आराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्याभार से मुक्त
किया जाता है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी
स्थापना से काट दिया जाता है।

सं० ए-19011(253)/78-स्था० ए०—श्री एम० आर०
काटे, सहायक खान नियन्त्रक (तदर्थ प्राधार पर), भारतीय खान
ब्यूरो को दिनांक 11-4-1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश
होने तक “मूल नियम 30” तन्निमित्त नियम के अधीन भारतीय
खान ब्यूरो में सहायक खान इंजीनियर के पद पर प्रोफार्मा
पब्लिशित प्रदान की गई है।

एस० व्ही० अली
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 जून 1980

सं० 12/623/69-प्रशासन(राजपत्रित)—श्री बी० एम०
शर्मा ने दिनांक 1 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा
संस्थान, इन्दौर के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (औद्योगिक प्रबन्ध
एवं प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. प्रशासन व लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए
श्री बी० एम० शर्मा की सेवाएं दिनांक 1 मई, 1980 (पूर्वाह्न)
से इंडियन इन्वेस्टमेंट सेंटर, भोपाल को सौंप दी गई हैं।

सं० ए-19018/117/73-प्रशा०(राजपत्रित)—राष्ट्रपति
जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर के श्री एम० रामकृष्णन
सहायक निदेशक, ग्रेड-I (इलेक्ट्रानिक्स) को दिनांक 19 मई,
1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा
संस्थान, बंगलौर में उप-निदेशक (इलेक्ट्रानिक्स) के रूप में
नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018/321/77-प्रशासन-(राजपत्रित)—
राष्ट्रपति जी, श्री एस० एस० भोसरेकर का लघु उद्योग सेवा संस्थान,

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 जून 1980

सं० 11-23/79-ए-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्वारा श्री आनन्द कुमार शर्मा को नियमित अस्थायी आधार पर आगामी आदेशों तक दिनांक 19 मई, 1980 (म० पू०) से सुशमकोटोकार (ग्रुप 'बी' राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

एस० ए० आई० तिरमिजी
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1980

सं० 2/2/66-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री एम० वी० ओजार्कार, लेखाकार, आकाशवाणी, जलगांव को 5-5-80 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, जलगांव के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जून 1980

सं० 29/1/76-एम० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री आई० गैंगी रेड्डी, फार्म रेडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी, विशाखापट्टनम को 4-3-80 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, विशाखापट्टनम के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जून 1980

सं० 3/27/62-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री एम० गोविन्दास्वामी, लेखाकार, आकाशवाणी, मद्रास को 19-5-80 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, विजयवाड़ा के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० शेषाद्री
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जून 1980

सं० ए-12011/3/78-प्र० (ए)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री डी० सी० रे को नई दिल्ली स्थित इस निदेशालय में 28-5-1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से मुख्य प्रतिरूपकार नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जून 1980

सं० ए-19012/4/71-प्र० (ए)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री अमल मुखर्जी को जो इस निदेशालय में स्थायी प्रदर्शनी सहायक है कोहिमा स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी

कार्यालय में 18-2-80 (दोपहर उपरान्त) से तदर्थ आधार पर क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी
उप-निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1980

सं० ए० 31014/7/80-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एच० एम० वर्मा को 17 जून, 1979 से राज-कुमारी अमृतकौर नर्सिंग कालेज, नई दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1980

सं० ए० 19012/3/79-एस० आई०—राष्ट्रपति ने श्री सुजीत कुमार सरकार को 19 मई, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, कलकत्ता में डिपो मैनेजर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शिब दयाल
उप-निदेशक (प्रशासन)

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 17 जून 1980

सं० 19(6)/1881—श्री लल्लन प्रसाद तिवारी वरिष्ठ तकनीकी सहायक को नियुक्ति तदर्थ रूप से कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के अस्थायी पद पर रु० 650-1200 के वेतनमान क्रम में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक 17-6-1980 (पूर्वाह्न) से की जाती है।

एन० ए० रामरया
निदेशक

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 30 जून 1980

सं० ए०-19025/26/80-प्र० तृ०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ब) की संस्तुतियों के अनुसार श्री टी० एस० कुण्ठाभूति, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के अधीन कोबीन में तारीख 24 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश

होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-3) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार
निदेशक (प्रशासन)
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 24 जून 1980

सं० प० ख० प्र०-1/30/79-प्रशासन--परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक डा० ज्योतिन्द्र नाथ राय को परमाणु खनिज प्रभाग में 2 जून, 1980 के पूर्वाह्न में लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से सहायक गन्ध-चिकित्सक नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय
(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 जून 1980

सं० ई(1) 05409--राष्ट्रपति, डा० सी० आर० श्रीधरन, मौसम विज्ञानी ग्रेड-I, भारत मौसम विज्ञान विभाग, को उसी विभाग में 27-3-1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक स्थानापन्न निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जून 1980

सं० ई(1) 05091--राष्ट्रपति, श्री जे० के० शर्मा सहायक मौसम विज्ञानी, भारत मौसम विज्ञान विभाग, को

दिनांक 14-5-1980 से आगामी आदेश तक स्थानापन्न मौसम विज्ञानी ग्रेड 1 के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जून 1980

सं० ए-32014/3/78-स्था०-I--मौसम विज्ञान के महा-निदेशक श्री ए० के० हंसदा को 12-4-1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० के० दाम

मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1980]

सं० ए-38015/2/80-ई०एस०--क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता कार्यालय के श्री सी० आर० दत्ता, भंडार अधिकारी (समूह 'ख' पद) ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 31 मई, 1980 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 21 जून 1980

सं० ए-32014/3/79-ई० सी०--महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:--

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	स्थानान्तरण के बाद तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
सर्वश्री				
1.	एन० के० सेन	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	26-5-80 (पूर्वाह्न)
2.	एम० तालवतरा	वैमानिक संचार स्टेशन अगरतला	वैमानिक संचार स्टेशन, अगरतला	20-5-80 (पूर्वाह्न)
3.	एम० सी० डे० भौमिक	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	12-5-80 (पूर्वाह्न)
4.	ए सी० वत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	15-5-80 (पूर्वाह्न)

दिनांक 24 जून 1980

सं० ए-32013/5/80-ई० सी०--राष्ट्रपति, ने महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) के श्री पी० एस० धुन्ता सहायक निदेशक संचार को दिनांक 23-5-80 (पूर्वाह्न) से छः माह की अवधि के लिये उप-निदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थ

आधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, मफदरजंग एयर पोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सी० के० वत्स
सहायक निदेशक (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 23 जून 1980

सं० 1/439/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता के पर्यवेक्षक, श्री डी० पी० नामकर को अलाकालीन खाली जगह पर 3-12-79 से 29-2-80 तक की अवधि के लिये एकदम तदर्थ आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/42-80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के अधीक्षक, श्री के० कृष्णाकरन को अल्पकालिक खाली जगह पर 16-1-80 से 1-3-80 तक की अवधि के लिए एकदम तदर्थ आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/42/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के अधीक्षक तिलक राज को 1वीं मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/83/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थायी परियात लेखाकार, श्री अ० कु० वर्मा को अल्पकालीन खाली जगह पर 7-1-80 से 15-3-80 तक की अवधि के लिये एकदम तदर्थ आधार पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से परियात लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहीत्रा
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादशुल्क एवं सीमाशुल्क समाहर्तलय

सीमा शुल्क/स्थापना

मद्रास-1, दिनांक 19 जून 1980

सं० 5/80—श्री सदीश कुमार, को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 13-6-80 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप से सीमा शुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

दिनांक 24 जून 1980

सं० 6/80—श्री पी० नमसिवायम को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 19-6-1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप से सीमा शुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

ए० सी० मलदाना
सीमा शुल्क समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1980

सं० 17/80—श्री बी० के० डुगल ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलय बानपुर में सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के रूप में कार्य कर रहे थे, राजस्व विभाग के दिनांक 9-5-80 के आदेश संख्या 58/80-(फा० सं० ए० 22012/3/80-प्रशा०-II) (अंश-II) के द्वारा स्थानान्तरित होने पर, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 27-5-80 (पूर्वाह्न) में निरीक्षण अधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" का कार्यभार संभाल लिया।

कृ० रेखी
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल प्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1980

शुद्ध पत्र

सं० ए०-19012/726/78-प्रशा०-पांच—प्रायोग की अधिसूचना सं० ए-19012/726/78-प्रशा०-पांच, दिनांक 5-9-79 के संदर्भ में श्री बलदेव राज, सहायक इंजीनियर की पदोन्नति की तारीख 31-5-78 (अपराह्न) की बजाये 24-5-78 (पूर्वाह्न) पड़ी जाए।

जे० के० साहा
अवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1980

सं० 33/11/78-ई० सी०-9 (भाग-3)—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री आर० एच० खोबरागडे, को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपये 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (सामान्य भर्ती सहित) के वेतनमान में रुपये 700/- प्रतिमास वेतन पर सामान्य नियम एवं शर्तों पर 23-3-79 (पूर्वाह्न) से उपास्तुविद् के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए) नियुक्त करते हैं।

2. उन्हें इस विभाग में सम्मिलित होने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रखा जाता है।

सं० 33/11/78-ई० सी०-9 (खण्ड-3)—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री आर० एम० अग्रवाल को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपये 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (सामान्य भर्ती सहित) के वेतनमान में रुपये 700/- प्रतिमास वेतन पर सामान्य नियम एवं शर्तों पर 4-6-80 (पूर्वाह्न) से उपास्तुविद् के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए) नियुक्त करते हैं।

2. उन्हें इस विभाग में सम्मिलित होने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए परीवीक्षा पर रखा जाता है।

के० ए० अनन्तनारायणन
प्रशासन उपनिदेशक

पूर्ति एवं पुनर्वासि मंत्रालय
(पुनर्वासि विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियन्ता का कार्यालय

पुनर्वासि भूमि उद्धार संगठन

माता कैम्प-492015 (रायपुर), दिनांक 20 जून 1980

सं० पी० एफ०/जी०/18/80-14680-पी०—वित्त मंत्रालय, व्यूरो ऑफ पब्लिक इन्टर प्राइजिज भारत सरकार नई दिल्ली, विभाग में बरिष्ठ अन्वेषक (रु० 550-900 वेतनमान में) के पद पर नियुक्ति पाने के फलस्वरूप श्री के० गोविन्दा राजू ने पुनर्वासि भूमि उद्धार संगठन माना कैम्प (रायपुर) सांख्यिकीय अधिकारी (रु० 550-900 वेतनमान) के पद का कार्यभार दिनांक 20 जून, 1980 को अपराह्न में छोड़ दिया।

ब्र० प्र० सक्सेना
प्रशासन अधिकारी
वास्ते मुख्य यांत्रिक अभियन्ता

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स फेब्राइट पैकेजिंग
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1980

सं० 560/2195—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स फेब्राइट पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स रनिप सेविंग
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1980

सं० 560/2234—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स रनिप सेविंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स गार्डेन स्टोर्ज,
(आसाम) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 27 जून 1980

सं० जी० पी०/1040/560(3)/1164—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स गार्डेन स्टोर्ज आसाम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० के० भट्टाचार्य
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
शिलांग

कम्पनी अधिनियम 1956 और वी० आर० सी० वीवर्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 28 जून 1980

सं० 3059/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वी० आर० सी० वीवर्स, प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कावेरी फिलिम्स
लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 28 जून 1980

सं० 1421/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कावेरी फिलिम्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कार इन्डस्ट्रियल प्राइवेट्स
एण्ड जनरल एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 28 जून 1980

सं० 2518/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कार इन्डस्ट्रियल प्राइवेट्स एण्ड जनरल एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसूर आयल प्रोटेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 28 जून 1980

सं० 2570/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसूर आयल प्रोटेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति कूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्पुतनिक लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 28 जून 1980

सं० 1903/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्पुतनिक लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल

कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
कर्नाटक, बंगलौर

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-II

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1980

आय-कर

सं० जुरि०-दिल्ली/11/80-81/9925—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 19-6-80 से निम्नलिखित आयकर सकिंल बनाया जायेगा।

कम्पनी सकिंल-25, नई दिल्ली।

एन० एस० राघवन
आयकर आयुक्त, दिल्ली-II
नई दिल्ली

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 1 मार्च 1980

निर्देश सं० III-381/अर्जन/79-80—अनः मुझे,
ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिमिता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 391, वार्ड नं० 1, प्लॉट नं० 9, 10, 11, 15, 16, 6, 7 और 8, खाता नं० 11, 14 और 16 है, तथा जो बारहमसिया, थाना गिरिडिह में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायस्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः:—

—156GI/80

1. श्री कृष्ण इन्वेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड सकल 13 ओल्ड कोर्ट हाउस, स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. सैमरम राव माइका माइके नाइट कम्पनी द्वारा पार्टनर्स, श्री नन्द किशोर राम एवं श्री अशोक राम पिता—श्री रामेश्वर राम, सकल गिरिडिह जिला गिरिडिह । (अन्तरितों)

3. अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

परती जमीन जिसका रकबा 1.73 एकड़ चारदीवारी तथा एक कुआं सहित मौजा बारहमसिया जिला गिरिडिह में स्थित है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1-5577 दिनांक 27-10-1977 में वर्णित है तथा जो सब-रजिस्ट्रार आफ एम्प्लो-रेंस कलकत्ता द्वारा निबंधित है ।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 13-1980 ।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मई 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/706—अतः
मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सजम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 21 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1979 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हेमन्त कुमार बाफना पुत्र श्री तेज सिंह बाफना, इन्दौर (अन्तरक)
2. पूनम बाबेल पुत्री श्री चन्द्र सिंह, डी-462, भूपालपुरा, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान संपत्ति जो प्लॉट नं० 21 पर स्थित है का भाग, कसेहपुरा, उदयपुर जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2662 दिनांक 15-10-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 3-5-1980।

मोहर :

प्रकृष बार्ड० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/707—अतः

मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 21 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषित:—

1. नरेन्द्र बाफना पुत्र श्री तेज सिंह बाफना निवासी इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री दीपक बाबेल पुत्र श्री चन्दर सिंह बाबेल, डी-462, भूपालपुरा, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो या अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 21 एवं दुकान नं० 4 और 5 की सम्पत्ति का भाग जो फतेहपुरा, उदयपुरा में स्थित है और उप पंजीकृत, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2664 दिनांक 15-10-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13-5-1980।

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/702—अत० मुझे,

एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भवन है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. अरूणा बाफना पुत्री श्री स्याम सुन्दरलाल बाफना, 7 के 15, जवाहरनगर, जयपुर (अन्तरक)

2. श्री विनेश कुमार पुत्र श्री गोपालदासजी खड्डेलवाल, निवासी कान्ती चन्द्र रोड, बनीपार्क, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पार्ट आफ अपर स्टोरी बिल्डिंग जो चीमू हाउस, सी-स्कीम, जयपुर में स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2735 दिनांक 30-10-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 13-5-1980।

मोहर:

प्रकरण घाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

आदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/708—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 21 है तथा जो उदयपुर में स्थित
है, (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रताप सिंह बाफना पुत्र श्री सिनेमल बाफना
निवासी, इन्दौर।

2. श्री मनोहर लाल पुत्र श्री कन्हैया लाल एवं श्रीमति
लाड़जी पत्नि श्री मनोहरलालजी, 107, देवली, उदयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रख्याप 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रख्याप
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 21 का भाग, फतेहपुरा, जिला उदयपुर जो
उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 2668 दिनांक
15-10-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-5-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/709—अतः
मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 21 है तथा जो उदयपुर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री प्रताप सिंह बाफना पुत्र श्री सिरमल बाफना
निवासी इन्दौर (अन्तरक)

2. डा० चन्द्र सिंह बाबेल, डी62, भूपालपुरा, उदय-
पुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
पमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(घ) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृस्वाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

संश्लेषणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयोज्य होगा, जो उन प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 21 का भाग, फतेहपुरा, जिला उदयपुर जो
उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2667 दिनांक
15-10-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 13-5-1980
मोहरः

प्रमाण संख्या टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक, 13 मई 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/701—अतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० हाउस है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर लिखित में आधिकारिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अर्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्याम सुन्दर बाफना पुत्र श्री विष्णुलालजी बाफना निवासी 7 के 15, जवाहर नगर, जयपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमति मनफूल देवी पत्नि श्री गोपालदासजी खंडेलवाल निवासी कान्ती चन्द्र रोड, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तबेला बिल्डिंग के नाम से विख्यात भवन का भाग-4, चौमू हाउस, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2560 दिनांक 11-10-1979 पर पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 13-5-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मई 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/710—अतः मुझे, एम० एल० चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अंतरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठप पाया गया प्रतिकर, से निःलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य मास्तिवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्री दत्तपन मिह पुत्र श्री ठाकुर ईश्वर सिंह, मेहनद-वास हाउस, नेहरू बाजार, जयपुर। (अन्तरक)

2. मैसर्स रस्तोगी स्टीलफर्नीचर, 102 नेहरू बाजार, जयपुर द्वारा इसके भागीदार सर्वश्री पवनकुमार, सुरेशकुमार एवं महेश कुमार, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जाये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मंत्रि के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रार्थना।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो मेहनदवास हाउस, नेहरू बाजार, जयपुर, में स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2660 दिनांक 24-10-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख 14-5-1980

मोहरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/728—अतः

मुझे, एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे जाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 24-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय धन-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या धन-कर अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों
अन्तरिती द्वारा अंकित नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सुनिती राठी पति श्री सी० एस० राठी
बो-36, पंचशील एनक्लेव, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री दयाचन्द्र बोधरा पुत्र श्री चान्दमलजी बोधरा
डा० जी० सी० बोधरा, दुर्लभजी अस्पताल, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अपन प्लॉट आफ लैण्ड जिसका क्षेत्रफल 198 वर्ग-
मीटर है और जो भागीरथ कालोनी, जयपुर में स्थित है तथा
उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2629 दिनांक
2-10-1979 पर पंजीबद्ध विस्तृत पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों की धर्ति:—

3-156GI/80

तारीख : 11-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/729—अतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओपन प्लॉट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति सुनीती राठी पति श्री सी० एस० राठी बी-36, पंचशील एनक्लेव नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री किशन कुमार सराफ पुत्र स्व० श्री राम गोपाल, लाट नं० सी०-6, भागीरथ कालोनी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

226 वर्ग गज का ओपन प्लॉट जो भागीरथ कालोनी, जयपुर में स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2605 दिनांक 12-10-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 11-6-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 जून 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ. अर्जन/730—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-9 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति सुनिती राठी पति श्री सी० एस० राठी
बी-36, पंचशील एनक्लेव, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री नन्द किशोर सराफ पुत्र श्री राम गोपाल, सी-8,
भागीरथ कालोनी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी-9, भागीरथ कालोनी, जयपुर जिसका
क्षेत्रफल 266.65 वर्ग मीटर है तथा जो उप पंजीयक,
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2611 दिनांक 12-10-1979 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-6-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन—अतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगा नगर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 6 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवाना राम पुत्र श्री मोतीराम निवासी 6 ई०
छोटी श्री गंगा नगर (अन्तरक)

2. आदर्श गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, 79
गोल बाजार श्री गंगा नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

4 बीघा कृषि भूमि, चक 6 ई छोटी, स्टेट बैंक आफ
बीकानेर एण्ड जयपुर की कालोनी के पीछे, श्री गंगानगर
जो उपपंजीयक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 3140 दिनांक
6-10-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-6-1980।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

! कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1980

आवेश सं० राज०/सहा० धा० अर्जन—अतः मुझे, एम० एल० चौहान,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगा नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवाना राम पुत्र श्री मोती राम निवासी 6ई छोटी, श्री गंगानगर (अन्तरक)
2. आदर्श गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, 79 गोल बाजार, श्री गंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अन्तरिकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6ई छोटी श्री गंगानगर, स्टेट बैंक आफ बीकानेर एन्ड जयपुर के पीछे स्थित 5 बीघा कृषि भूमि जो उप पंजीयक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 3120 दिनांक 5-10-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 जून 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/740—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 54 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 24-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तिओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेन्द्र कुमार मारवाल पुत्र चतुर्भुज मारवाल,
भगत वाटिका, जयपुर। (अन्तरक)

2. श्री परमजीत सिंह आहलूवालिया पुत्र श्री करतार
सिंह आहलूवालिया लालगढ़ हाउस, संसार चन्द रोड,
जयपुर। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई दो पाशेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अग्रिम या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अग्रिम जो भी अग्रिम बार
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अड्याप 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन पड्याप
में दिया गया है।

अनुसूची

भगत वाटिका, सिविल लाईन्स, जयपुर में स्थित प्लॉट
नं० 54 जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2617
दिनांक 24-10-199 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 20-6-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 जून 1980

आवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/738—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 9 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति गकुन्तला जैन, 2-बी, कोमल स्ट्रीट, कलकत्ता-
16 (अन्तरक)

2. श्रीमति लाजवन्ती मदन, गुरु नानक पुरा, आदर्श-
नगर, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9, एम० आई० रोड, जयपुर पर स्थित सम्पत्ति
का 'ग्राउन्ड फ्लोर' एवं 'मजीनिन फ्लोर' जो रजिस्ट्रार आफ
अस्पूरेसेज, कलकत्ता द्वारा क्रम संख्या 5367 दिनांक 12-10-79
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 20-6-1980
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 जून 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/739—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति शकुन्तला जैन, 2 बों, कोमल स्ट्रीट कलकत्ता-16। (अन्तरक)

2. श्रीमति राधा देवी, 32, इन्दिरा कालोनी, बनेपाक, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9, एम० आई० रोड, जयपुर पर स्थित संपत्ति का फर्स्ट फ्लोर जो रजिस्ट्रार आफ एस्योरेसेज, कलकत्ता द्वारा क्रम संख्या 5366 दिनांक 12-10-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 20-6-1980

मोहर :

प्र.सं. आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वित, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

आदेश संख्या राज०/सहा आ० अर्जन/744—अतः

मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस सं० ओपन प्लॉट है तथा जो कोटा में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकर
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 4-10-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-156GI/80

1. श्रीमति गुरुकी कौर परिन श्री जगजीत सिंह सेठी,
भोमगंज मंडो, कोटा (अन्तरक)

2. श्री राम अवतार पुत्र भवानो शंकर, जी, डोगोदवाड,
लाडपुरा, कोटा (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'ओपन प्लॉट आफ लैंड' क्षेत्रफल 5120 बगफुट जो
प्लॉट नं० 42 बल्लभनगर कोटा में स्थित है और उपपंजीयक,
कोटा द्वारा क्रम संख्या 1271 दिनांक 4-10-1979 पर
पंजीबद्ध विनियम पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 30-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/741—अतः मुझे, एम० एल० चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० ओपन प्लॉट है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है, :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरज प्रकाश महाजन, 183 बल्लभ बाडो, कोटा । (अन्तरक)

2. श्री ईश्वर लाल व्याम, 796 दादाडी, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

600 वर्ग गज ओपन प्लॉट जिसके ऊपर 27 वर्गमीटर में 2 कमरे बने हैं और जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1349 दिनांक 15-10-1979 पर पंजाबद्व विप्लय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है ।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज जयपुर

तारीख : 30-6-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

आदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/743—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ओपन प्लॉट है तथा जो कोटा ; स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची ; और पूर्ण रूप से वधित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा ; रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 9-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० एस० मेहता, रिटायर्ड चोक इंजीनियर,
वेस्टर्न रेलवे, मेहता निवास, कोटा (अन्तरक)

2. श्रीमति कुसुम लता पति श्री चेतन कुमार, सेर-
वाला, स्टेशन रोड, कोटा (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'ओपन प्लॉट आफ लैंड क्षेत्रफल 3087.5 वर्गफुट
जो बार मंदिर स्कूल, कोटा के पास स्थित है और उप
पंजीयक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1288 दिनांक 9-10-1979
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 30-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

आदेश संख्या राज./सहा० आ० अर्जुन/742-प्रतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ओपन प्लॉट है तथा जो कोटा में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 9-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई श्रुति आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपबोध (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० एस० मेहता पुत्र श्री बी० एल० मेहता,
मेहता निवास, स्टेशन रोड, कोटा (अन्तरक)

2. श्रीमति निरमला देवी परित श्री राम भरोसा लाल,
बाल मन्दिर स्कूल के पास, कोटा (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संशुद्धि करण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'ओपन प्लॉट आफ लैंड' क्षेत्रफल 3087.5 वर्ग फुट जो
उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1289 दिनांक
9-10-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 30-6-1980
मोहर :

प्रकर आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/745—अतः मुझे, एम० एल० चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 30 है, तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सन्तति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिद्धान्त पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिश्रित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुवर्ण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. हेतराम चौधरी दिलीप सिंह जेलवार, निवासी कोटा वर्तमान 23, विवेकानन्द मार्ग, जयपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमति इन्दरा देवी पति श्यामा लाल 2. श्रीमति रेखा देवी पति श्री रूप चन्द सिन्धी खत्री, गुमानपुरा, कोटा। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'ओपन प्लॉट ग्राफ सैण्ड' जिसका क्षेत्रफल 5400 वर्ग फीट है तथा जो प्लॉट नं० 20 बल्लभ नगर कोटा में स्थित है तथा उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1365 दिनांक 18-10-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 30-6-1980
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्कन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० ए आर-1/ए० पी० 315/80—81—अतः
मुझे पी० एल० रूंगटा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 437 परेल डिवीजन है तथा जो फर्गु-
सन रोड परेल रोड डि० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामनाथ सदानंद म्हात्रे, 3. भालचंद्र हरीशंकर
म्हात्रे (3) रंगनाथ भिकेबा म्हात्रे, (4) महेश खंडेराव
मंत्री। (अन्तरक)

2. प्रकाश काटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 206 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2269/75 बंबई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 22-11-1979 को रजि-
स्टर्ड किया गया है।

पी० एल० रूंगटा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्कन रेंज-I बम्बई

तारीख : 17-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 फरवरी 1980

1. श्री फकीर चन्द धवन पुत्र श्री देवी चरण निवासी
7 ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली। (अन्तरक)2. सरदार गुरचरण सिंह पुत्र श्री मुन्दर सिंह 5-एफ-
43-ए, टाऊनशिप फरीदाबाद। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधा

सम्पत्ति प्लॉट नं० 31, फ्रूट गार्डन एरिया (5400 वर्ग
गज) फरीदाबाद तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5372 तिथि
30-10-1979 में दिया गया है।

शि० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

निर्देश सं० बी०जी० आर०/27/79-80—अतः मुझे,
शि० सी० गोपाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 31, फ्रूट गार्डन एरिया है तथा
जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० डी० एल० आई०/9/79—80—अतः मुझे,
गो० सी० गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 11 बीघे बिसवे
(11288 वर्ग गज) है तथा जो ग्राम सिकन्दरपुर घोसी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० ग्रैटर देहली प्लेनर्स (प्रा०) लि०, 3, शंकर
मार्कीट, कनाट सरकस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री वीरेंद्र भटनागर संस्थान ए-1, गुरुद्वारा रोड,
एन०डी०एस० ई० पार्ट-1, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि क्षेत्रफल 11288 वर्ग गज जोकि ग्राम
सिकन्दरपुर घोसी तहसील फरीदाबाद में स्थित है तथा
जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री
नं० 462 तिथि 10-10-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 28-6-1980

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० ज० डी० आर०/9/79-80—प्रतः मुझे, श्री० सि० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० भूकान नं० 535-आर/ए है तथा जो माडल टाउन यमुनानगर में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1979 को उक्त संरास के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या कीं धन या अन्य आस्तियों को, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-156GI/80

1. (1) श्री मदन सिंह पुत्र श्रीमति लक्ष्मी देवी
(2) अलमास लक्ष्मी देवी निवासी 535-आर०/ए, माडल टाउन, यमुनानगर। (अन्तरक)

2. दीवान सूरज दत्त पुत्र श्री दीवान राम लाल दत्त 535-आर/ए, माडल टाउन यमुनानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2C-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूकान नं० 535-आर/ए माडल टाउन यमुनानगर तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3048 तिथि 3-10-1979 में दिया गया है।

श्री० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 28-6-1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० जे० डी० आर०/8/79—80—अतः मुझे
गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो गढ़ी मुंडा
रोड, जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नरेंद्र कुमार गुप्ता पुत्र श्री जय प्रकाश
गुप्ता (2) श्री राम सरन पुत्र श्री छित्तर मल निवासी
हकीकत नगर, सहारनपुर (3) श्री सुभाष चन्द सचदेवा
पुत्री श्री लेख राम (3) श्री इन्द्रजीन तनेजा (5) मधु बबर
पत्नी श्री मदन लाल निवासी, धर्मपुर नगीना। (अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार सचदेवा श्री गोबिन्द राम मार्फत मै०
वी० के० स्टील उद्योग गढ़ी मुंडा रोड, जगाधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समवधि अवधियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्ताधरा के पास लिखित
में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 2(क) में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति एक फैक्ट्री बिल्डिंग जोकि गढ़ी मुंडा रोड जगा-
धरी पर स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3115 तिथि
8-10-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 28-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० डी०एल० आई०/10/79-80—अतः मुझे

गो० सी० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 42, इन्डस्ट्रियल एस्टेट-I, है
तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय देहली, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्रीमति सरदा बन्ती पत्नि डा० धर्म पाल ग्रीन पार्क,
अम्बाला कैंट । (अन्तरक)

2. मै० परकैफ्ट फास्टनरज (प्रा०) लि० 1/43 डी०
एन० एक० इन्डस्ट्रियल एस्टेट फरीदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 42 डी०एल० एक० इन्डस्ट्रियल एस्टेट
नं० 1 फरीदाबाद तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता देहली कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० 493 तिथि
3-10-1979 में दर्ज है ।

गो० सी० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 28-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० एच० एस० आर०/17/79-80—प्रतः मुझे
गो० सिंह गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है
और जिसकी सं० बुकान नं० 92, नई आनाज मंडी है तथा
जो हिसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हिसार, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रयोग तारीख अक्टूबर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं तब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति तुलजा देवी पत्नी मा० मातु राम महाजन
निवासी ग्राम खरा तहसील हिसार। (अन्तरक)

2. श्री राम विता पुत्र श्री लेख राम निवासी ग्राम
नांगमजा तहसील हिसार। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्घातारों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सहोदरता—इसमें यथुक्त गन्दों और पत्रों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, बड़ी भ्रष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बुकान नं० 92, नई आनाज मंडी, हिसार तथा
जितना और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता हिसार के कार्यालय
में रजिस्ट्री क्रमांक 2487/75-10-79 में दिया गया
है।

श्री० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज रोहतक,

तारीख : 28-6-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 30 मई 1980

पी० आर० नं० 934 एकवी 23-7-4/80-81—

अतः मुझे एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मजबूत प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि व्यापारमाला जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 619-1 सीटी एस०
टीका नं० 17 (सी० एस० नं० 2167) है तथा जो नटराज
सिनेमा के नजदीक, शांतादेवी रोड नवसारी, में स्थित
है (और इससे आवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
17-10-1979

को प्रत्यक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए पंजीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापारमाला सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अंतर (अंतरकों और पंजीकृति
(पंजीकृतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नष्ट पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पंजीकृतियों में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी घाट की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के धर्मांतर के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कृति आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे सार्वजनिक आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ धर्मस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के पं-
सूचना में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ठाकरभाई मंगनभाई : प्रमुख जीवाभाई उकाभाई :
चेन्नरनेन नातुभाई खंडुभाई नायक : सेक्रेटरी द्वारा श्री पुर्णा
को० आप० हाउसिंग सोसायटी, नवसारी । (अन्तरक)

2. श्री जयेशकुमार पन्नालाल चौकसी द्वारा होटल जला
प्राइवेट लिमिटेड काविलपोर नवसारी (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाप्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या असंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति पर अति-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित संकेत के द्वारा ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो नटराज सिनेमा के नजदीक, शांतादेवी रोड,
नवसारी में स्थित है और जिसका आर० एस० नं० 619-1,
सीटी सर्वे टीका नं० 17 (सी० एस० नं० 2167) है, ये
जमीन नवसारी में 17-10-1979 को रजिस्ट्री की गई है ।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद ।

तारीख : 30-5-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर प्रावृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 935 एसीक्यू 23/19—7/80-
81—अत० मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० नोंद नं० 2245-ए-2 बी० भागीदारी भगवती वीविंग
वर्क्स में है तथा जो ठिलसी मालीया, बेगमपुरा, सूरत में स्थित
है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
9-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे
में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. भारती वीविंग वर्क्स का भागीदारों

(1) श्री हरकिता दास चमनलाल सुपारीवाला, (2)
श्री मूलचन्ददास चमनलाल सुपारीवाला (3) श्री
गननलाल चमनलाल सुपारीवाला तुलसी कालीया बेगमपारा
सूरत (अन्तरक)

2. श्रीमति भानमती ईश्वरलाल एच० नं० 2/275-
रसतपुरा, मलेशर महोजा सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामोन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मिलकत जिसका नोंद नं० 2245-ए-2-बी, वाई नं० 4 जो
बेंगपुरा, सूरत में स्थित है । ये मिलकत सूरत सब-रजिस्ट्रार
के कार्यालय में 9-10-79 को नं० 3660/71 से रजिस्ट्री की
गई है ।

जी० सी० गर्ग
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-7-1980 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 1027 एक्वी० 23-18-5/
80-81—अतः मुझे, जी० सी० गर्ग
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० 8 बी० पैकी गोडोण है तथा जो उद्योगनगर, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सुरेन्द्रनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-10-1979

को पूर्वांकन उक्ति के उचित बाजार मूल्य में हम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्टैंडर्ड आर्टो वाल्वस के द्वारा श्री जगदीशचन्द्र चन्दुलाल परीत्र और दूसरे, वाडीपुरा सुरेन्द्रनगर, (अन्तरक)

2. प्रिंस ओप्टीकल इन्डस्ट्रीज प्लाट नं० 8-बी० उद्योग-
नगर जीनटान रोड, सुरेन्द्रनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अर्थात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के भी अवधि बाद में प्रकाशित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वाला किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शह—गोडोण—प्लाट नं० 8-बी, पैकी 866—6 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है। और उद्योगनगर, जीनटान रोड, सुरेन्द्रनगर में स्थित है। ये रजिस्ट्री करता कार्यालय घडवान में बिक्री खत नं० 2623/17-10-1979 से रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकत संपुर्ण वर्णित है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1980।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1928एकसी०—23/18—9/
80-81—प्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8-बी पैकी शेठ है तथा जो उद्योग-
नगर, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बनवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 17-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. स्टैंडर्ड प्रायो वाल्वन, के द्वारा श्री जगदीशचन्द्र
चन्दुलाल परीब और दूरे, बडोदरा सुरेन्द्रनगर
(अन्तरक)

2. प्लेस्टीजेट इन्डस्ट्रीज, के द्वारा भागीदार श्री रसिक-
लाल जाम्नीलाल प्लॉट नं० 8-बी, उद्योगनगर-7, जीनयान
रोड, सुरेन्द्रनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति न सम्पत्ति में कोई भी राजीनामा—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् अवधियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध निम्न
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताओं के तान विहित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहां
नहीं पाए जाते उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेठ प्लॉट नं० 8-बी पैकी जो 1016 वर्ग गज जमीन पर
खड़ा है। और उद्योगनगर जीनयान रोड सुरेन्द्रनगर में स्थित
है। ये रजिस्ट्रीकरण कार्यालय बनवान में बिक्री खत नं०
2624/17-10-1979 से रजिस्ट्री की गई है। अर्थात्
मिलकर संपूर्ण वर्णित है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 7-6-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

पी० ओर नं० 1029 एक्वी० 23/एक्वी-1/80-81—अतः
मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 70-1-एफ पी० नं० 64-1 है, तथा जो
शेखपुरा, 1, खानपुर, सीमा अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-10-1980
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—156 GI/80

1. बाई डाही गोरधन दास, कुबेरदास मोदी
रतनपोल, 1, शंभनीपाल 1,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री गेरोंम लारनस डिसोसा
द्वारा/पीवर डिसोसा (दर्जी)
बिजली घर के नजदीक ।
रिलीप रोड अहमदाबाद ।

(2) श्री भान्जली डिसोसा,
द्वारा/जी० एम० डिसोसा
धनासु थारकीपोल,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
46 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 609.66 वर्ग गज, नं० 70-1-एम०
पी० नं० 64-1 है, और जो शेखपुरा खानपुर सीमा अहमदाबाद में
स्थित है । ये जमीन बिक्री खत नं० 11747/19-10-79 से
रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री की गई है
अर्थात् सिलकत संपूर्णता वर्णित की गई है ।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 7-6-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

पी० आर० नं० 1030 एक्वी० 23/11-4/80-81—यतः
मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० डब्ल्यू० नं० 1-सर्वे नं० 7712-ए
है तथा जो सिखन्दी दस्तावेज पुरानी पुलिस लाइन पोरबन्दर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोरबन्दर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया जा रहा है:—

(क) प्रन्तरण के द्वारा किसी आय को बाधा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था कि या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. नाथीबेन नाथा और दूसरे

कुमार बाड़ा,

पोरबन्दर।

(अन्तरक)

3. बीजू, एस० इन्दसद्रीस,

संचालक मुन्नीलाबेहन दोलर राये, चौदाई,

सुधारवाड़ी पोरबन्दर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोषणाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें दिये गए सर्वे और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका नं० सी० एस० डब्ल्यू० नं० 1; सर्वे नं०
7712-ए है, और जो जमीन का माप 370-40-वर्ग गज
सिखन्दी दाक्कीस पुरानी पुलिस लाइन, पोरबन्दर में स्थित है।
ये मकान रजिस्ट्री कर्ता कार्यालय पोरबन्दर में नं० 2922/
12-10-79 से रजिस्ट्री की गई है। ये मिलकत संपूर्णता में
वर्णित की गई है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 7-6-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

सं० पी० आर० नं० 1031, एक्वी० 23-II/80-81—

प्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी० पी० खस० नं० 19-एफ० पी० नं० 278, पैकी सब प्लॉट नं० 5-ए, पैकी है तथा जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्नेहलता बेन, नवीन चन्द्र पंड्या, जीवराजपार के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) सुशीला बहन, गोविन्दलाल
(2) सुधा बहन, गोविन्द लाल
(3) कोकिला बहन, गोविन्द लाल
(4) दीप यकाना, गोविन्द लाल पटेल,
(5) कीरत कुमार, गोविन्द लाल पटेल
परवाली की पोल, रायपुर,
अहमदाबाद।

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 169-20 वर्ग मीटर जी० पी० एस० नं० 19, एफ० पी० नं० 278, पैकी सब प्लॉट नं० 5-ए है, और जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय में बिक्री खन० नं० 85-38/77/ओनादो 79 से रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 7-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

पी० आर० नं० 1032 ए सीक्यू-1/80-81—प्रतः मुझे,
जी० सी० गर्ग,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० 13: 13-1 पैकी टी० पी० एस० नं० 2 है,
तथा जो एफ० पी० नं० 56-3, राजीप अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाहिर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कोशिक चन्व जगन्नाथ दल वाडी
जयदीप के पीछे,
नवरंग हाई स्कूल,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. सरागुह क्याल को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि०,
चेयरमैन के द्वारा : श्री भुपेन्द्र-I दवे और वूसरे
ओल्ड पटेल, सोसायटी,
मोहन सिनेमा के पास,
जहागीरपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन का माप 1973.5 वर्ग गज नांव नं० 2, एफ० पी० नं०
13: 13-1 पैकी डी० पी० एस० नं० 5-6-3 जा राजीप
अहमदाबाद में स्थित है । ये जमीन अहमदाबाद रजिस्ट्रार के
कार्यालय में 15-10-79 को बिक्री नं० 11588/15-10-79
से रजिस्ट्री की गई है ।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

पी० आर० नं० 1033 एक्यू०-23/1/80-81--अतः मुझे

जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 13-1-पैकी डी० पी० नं० 2, एक० पी० नं० 56-3 है, तथा जो रानीप, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से धणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तुतकों) और अन्तरिती (प्रस्तुतिरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रंजन बेन

(श्री प्रेमचन्द जगनाथ की पत्नी)

जगदीप नवरंगपुरा, स्कूल के पीछे,

नारान पुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. सतगुरुदयाल को० आ० हाउसिंग सोसायटी

के द्वारा प्रमुख श्री भूपेन्द्र ऐ० देवे और दूसरे

जुना पटेल, शेसाद्रि मोहन सिनेमा के पास,

जहांगीरपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ब में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1974-5- वर्ग गज नाद नं० एस० नं० 13-13-1 पैकी डी पी० एस० नं० 5-6-3 जो रानीप अहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में 15-10-79 को बिक्री खत नं० 11589/15-10-79 से रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 7-6-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1034 एक्यु० 23/I/80-81—अतः

मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे हमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि ब्याबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 13/13 पैकी टी० पी० एस० 2, एफ० पी०
नं० 56-3 है, जो रानीप, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-79 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकर्ता
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (I)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. प्रमोद चन्द जगन्नाथ दलवाडी
जयदीप के पीछे,
नवरंगपुरा है० स्कूल,
नाराणपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. सत गुरुदयाल को०ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
के द्वारा प्रमुख: श्री भुपेन्द्र आई० और दूसरे
पुसनी पटल सोसायटी, मोहन सिनेमा के पास,
जहांगीरपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त ब्याबर सम्पत्ति में हितमय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1973-5 वर्ग गज नाथ नं० एस० नं०
13:13-1 पैकी टी० पी० एस० नं० 56-3 जो रानीप अहमदाबाद
में स्थित है। ये जमीन अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय
में 15-10-79 को बिक्री पत्र नं० 11590/15-10-79 से
रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

निर्देश सं० पी०आर० नं० 1035, एफ्यू०-23-1/80-81—अतः
मुझे जी० सी० गर्ग

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 13-13-1-पैकी टी० पी० एस० नं० 2
एफ० पी० नं० 56-3 है, तथा जो रानीप, अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी निशो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कुमुद बेन,
कौशिक चन्दा जगन्नाथ की पत्नी दलवाडी
जयश्रीप के पीछे,
नवरंग है० स्कूल, नाराणपुरा,
अहमदाबाद, ।

(अन्तरक)

2. सनगुह को०प्रपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
के द्वारा प्रमुख: श्री भुपेन्द्र आई० देवे और दूसरे
पुराना पटेल सोसायटी, मोहन सिनेमा के पास,
जहांगीरपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का माप 1973-5 वर्ग गज नोद नं० एस० नं०
13 : 13-1 पैकी टी० पी० एस० नं० 56-3, जो रानीप, अहमदा-
बाद में स्थित है । ये जमीन अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में
15-10-1979 को बिक्री खत नं० 11591/15-10-79 से
रजिस्ट्री की गई है ।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1036-एफ्यू० 23/18-1/80-81---

अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शेड, अद्योग नगर, तथा जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंधवान, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-10-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. एमरजेंसी मेकानिक वर्कस
के द्वारा/मैनेजिंग भागीदार :
श्री गनपत लाल हरीभाई राथोड,
उद्योग नगर, सुरेन्द्र नगर ।

(अन्तरक)

2. शालीमार टैक्सटायिल्स के द्वारा भागीदार :
श्री कान्तीलाल, ब्रज लाल बखारिया,
उद्योग नगर, सुरेन्द्र नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त पत्र के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खारखाना पेठ माप 1068 वर्ग गज जमीन पर उद्योगनगर, सुरेन्द्रनगर, में स्थित है । ये बंधवान रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 2625/17-10-79 रजिस्ट्री की गई है । अर्थात् मिलकत संपूर्ण वर्णित है ।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1980
मोहर :

प्ररूप आर्क. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

पी० आर० नं० 1037 एफ० 23/1-1/I/80-81—यतः

मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० नं० 917, पैको टी० पी० एम० नं० 3, मव-प्लाट नं० 11 (1/3 भाग) है, तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन विनांक 18-10-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

7—156GI/80

1. गिरीश चन्द्र चन्द्रूलाल झा,
के० कमरा नं० 101, राम निवास,
पापुर भिन्, कामपैट, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री भगनकुमार गगनाम भाई झा,
कापमारा सैपाद्रि,
पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर्ता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जमीन पर माप 840 वर्ग गज टी० पी० एम 3 एफ० पी० नं० 917 पैको मव-प्लाट नं० 11-1/3, भाग खड़ा है ये मकान पालडी, जे बिक रोड में स्थित है। ये अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 11700/18-10-79 में रजिस्ट्री की गई है। मिलकत संपूर्ण वर्णित है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 9-6-1980

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

पी० आर० नं० 1038 एफ० 23/I/80-81—यतः मुझे
जि० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके धारक 'एतत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन स्थान प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 68, पैकी टी० पी० एम० 3
सं० नं० 68, बी० काशीपुरा, कागदीवाले है तथा जो शाहपुर
फायर ब्रिज स्टेशन के सामने, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार
अधिनियम के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिनियम अक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्का प्रतिफल है। (यथापूर्वोक्त अधिनियम) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में उचित रूप से किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. 1. रामचन्द्र दोलतराम

(2) कौशलचन्द दीनत राम, दोनों
लक्ष्मण निवास,
फायर ब्रिज स्टेशन के सामने
शाहपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री कुन्ता लाल लक्ष्मण जी चौहान,
शाहपुर दरवाजा के बाहर, बाजो मियाका चाल
किर० नगर के पास, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का भाग जो 91 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है जिसका
एफ० पी० नं० 68 पैकी सी० नं० 68-बी, टी० पी० एम० 3
और जो काशीपुरा, कागदीवाले, शाहपुर फायर ब्रिज स्टेशन
सामने अहमदाबाद में स्थित है। जो मकान अहमदाबाद रजिस्ट्रार
अधिनियम के कार्यालय में बिक्री दस्तावेज नं० 10920/अक्टूबर,
1979 में रजिस्ट्रार किया गया है। अर्थात्, मिल्कत उसमें संपूर्णतः
वर्णित है।

जि० सी० गर्ग
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद,

तारीख : 7-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून, 1980

मुझे जी० सं० गगं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसका सं० एफ० पी० नं० 68, पैका सं० नं० 68-ए, टो० पी० एम० 3, दाशोपुर, कागदवाड़, है तथा जो शाहपुर, फायर ब्रिज स्टेशन के सामने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकां के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री बमन कुमार ईश्वरदास
कैलाश भवन के पास, लखोजरा निवास,
फायर ब्रिज स्टेशन के सामने,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री चूनीलाल लक्ष्मण चौहान
शाहपुर दरवाजा के बाहर, राजा मिश्र का भवन,
किरानगर के पास, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्साबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग जो 90 वर्ग गज आकार के बड़ा है, जिसका एफ० पी० नं० 68, पैका सं० नं० 68-ए टो० पी० एम०-3 है और जो कागदवाड़ शाहपुर फायर ब्रिज स्टेशन के सामने अहमदाबाद में स्थित है। ये मकान अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में ब्रिको अंत नं० 9297/अक्तूबर, 1979 से रजिस्ट्रार किया गया है अर्थात् मिलातय उसमें संपूर्णतः वर्णित है:

जी० सं० गगं

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 7-6-1980

मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.—-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

पि० आर० नं० 1090, एक्ज०/23-16-7/80-81—अन:

मुझे ज० सं० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिम्मा सं० 516, पैकी प्लॉट नं० 27, 28 तथा 29, उपलेदा है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अर्थात् अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्जन दिनांक 10-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच गुंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री तर्बोन चन्द्रा नरोत्तमलाल जलावाडीया
मलवाडीया, डैले के अंधर,
उपलेदा ।

2. श्री गताञ्जल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
के द्वारा प्रमुख श्री जयानाल नरसिंग भाई
मानकडिया, नवापारा,
उपलेदा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमाने उपलेदा, में माप 145-7-7-0 वर्ग गज एस० नं० 316 पैकी नंबर से 27, 28 और 29 में स्थित है । में सब रजिस्ट्रार, उपलेदा के कार्यालय में बिक्री खत नं० 1047/10-10-79 में रजिस्ट्रार को गई है । मिनकत अर्थात् सम्पूर्णतः वर्णित है ।

जि० सं० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 9-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

पी० आर० नं० 1041, एफसी, 23/16-7/1/80-81—

अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 316 पैकी है तथा जो उपलेदा, डिस्ट्रिक्ट राजकोट में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उपलेदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री किशोर कुमार नरोत्तमदास, बालवाडिया,
पानवाडिया, दली के अंधर,
उपलेदा ।

(अन्तरक)

2. श्री गीतान्जली, को०आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
के द्वारा प्रमुख श्री नाथामल नरसिंह भाई मानकडिया,
जवपारा, उपलेदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन उपलेदा में माप 1363-3-0 वर्ग गज एम० नं० 316 पैकी स्थित है। ये उपलेदा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में उपलेदा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में विक्री खत नं० 1048 197/10-10-79 में रजिस्ट्री की गई है अर्थात् मिलकयत उसमें संपूर्णतः वर्णित है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 9-6-1980

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून, 1980 .

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1042, एफ० नं० 23/1-1/80-81

—अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तार करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और प्लॉट सं० एफ० पी० नं० 917 पैकी टी० पी० एम० नं० 3, सब प्लॉट नं० 11—1/3 भाग) है तथा जो पालडी, अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक 18-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मनुभाई चन्दुलाल झा,
11, रंग सागर प्लाटस,
प्रभुदास ठक्कार कालेज, रोड, पालडी
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री भरज कुमार गणशाम भाई झा,
कापमोरा शेपाट्रि, पालडी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जमीन पर खड़ा है। इसका माप 840 वर्ग गज टी० पी० एम० नं० 917 पैकी सब प्लॉट नं० 11-1/3 भाग पालडी में जेब्रीकु रोड, अहमदाबाद में स्थित है। ये अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 11699/18-10-79 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मलकियत संपूर्ण वर्णित है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर० सं० 1043, एन्क०-23/I/80-81--

अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० सं० 917 पैकी टी० पी० एस० सं० 3
सब प्लॉट नं० 11 (1/3 भाग) है तथा जो पालडी, अहमदाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 18-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

1. (1) श्री सतन कुमार रमनलाल झा,
(2) श्री सुनिल रमनलाल झा
(3) कमला बेन, श्री रमनलाल चंदुलाल की विधवा
इशारनवा, प्लॉट, नारायण नगर,
रोड पालडी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री भरतकुमार नारायण भाई झा
काशमीरा शेपाद्रि,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जमीन पर खड़ा है। इसका माप 840 वर्ग गज
टी पी० एस० सं० 3, एफ० पी० सं० 917 पैकी सब प्लॉट
नं० 11-1/3 भाग, पालडी जै त्रिखु रोड, अहमदाबाद में स्थित
है। ये अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खाता नं०
11699/18-10-70 में रजिस्ट्री की गई है अर्थात् उसमें
मलकियत सम्पूर्णतः वर्णित है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं०-1044 एम्प०-23/I/80-81—

जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 39/जी/एस० पैकी प्लॉट नं० 3 सब प्लॉट नं० 16 (भाग) है तथा जो पटेल कालोनी (डोर नं० 9, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-10-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चन्द्राविजय सिनजी
माकतसिन जी, पटेल कालोनी,
जामनगर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती खुमिनी बहन, हराकचन्द मेहता,
स्तावाड़, कारवा चकला,
जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सकान जमीन पर माप 35-56 बर्ग गज में खड़ा है इसका नं० एस० नं० 39-जी/एस० पैकी प्लॉट नं० ए-3, सब-प्लॉट नं० 16 (भाग) पटेल कालोनी, जामनगर, में स्थित है। ये बिक्री खाता नं० 2471 तारीख 29-10-79 में रजिस्ट्री किया है। ये संपत्ति उसमें सम्पूर्णतः वर्णित है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 9-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर प्राप्युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1045 एफ्यू० 23/1/80-
81—अतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० नं० 2-275/110 से 24; 2-732/1 से 110/6 व 2-761/1—19 है तथा जो बद्रकाली माता रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्वारका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय का बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के प्राप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य आस्थियों को अर्द्ध भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रसिकरायाजी द्वारकेशलालजी; मादाभुरन; मोती हबेली 1, पोरबन्दर। (अन्तरक)
2. (1) श्री मनसुखलाल काकुभाई दावादा महाजन बाजार, द्वारका।
- (2) श्री रसिकलाल काकुभाई दावादा महाजन बाजार, द्वारका।
- (3) श्री चम्पकलाल हीराचन्द कारीया, गराबी चौक के पास, द्वारका।

- (4) श्री नागजीभाई धारा गंगाभा जादिया बाघीर चौरा के पास, द्वारका।
- (5) श्री गाजुभा खीमनभाई, धारा कालार रोड द्वारका। (अन्तरिती)

किरायदारों का नाम।

3. (1) श्री माधुकान्त कान्तीलाल।
- (2) श्री विशनलाल कान्तीलाल।
- (3) श्री विशनलाल कान्तीलाल।
- (4) श्री विशनलाल कान्तीलाल।
- (5) श्री जगदीश रूपचन्द।
- (6) श्री नारायण रामजी।
- (7) श्री हिमलाल हीरुचन्द।
- (8) श्री लक्ष्मनदास जमनादास।
- (9) श्री मथुरादास जमनादास।
- (10) श्री सुशीलाबेन विशनजी।
- (11) श्री जमनाबेन गोरधन।
- (12) श्री मनबेन लक्ष्मन।
- (13) श्री राजगार गागदेव कारा।
- (14) श्री गोपीबाई रनछोड़।
- (15) श्री नारायण रनछोड़।
- (16) श्री कानूभाई गोरधन।
- (17) श्री सोनी दामोदर वानजी।
- (18) श्री परभातभाई देवकरन।
- (19) श्री कारवा भाईलाल गोबिन्द।
- (20) श्री रामदास दयालाल।
- (21) श्री काना आसा।
- (22) श्री मायाभा वोसोभा।
- (23) श्री काना हारजी।
- (24) श्री लालजी मानजी।
- (25) श्री क्षीना समद।
- (26) श्री खानजी भीखा।
- (27) श्री विनोद देवजी।
- (28) श्री चन्दुलाल विरजी।
- (29) मुक्ताबेन भगवानजी।
- (30) श्री जवारलाल काकुभाई।
- (31) श्री वालीभाई मावजी।
- (32) श्री बालमुकुन्द वामोधर।
- (33) श्री अनन्तराय मोहलाल।
- (34) श्री काकुभाई जयराम।
- (35) श्री तेजसिंह साधूसिंह।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मांगे :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जमीन पर कमलसदन में खड़ा है। जिसका माप 3683 वर्ग मीटर एस० नं० 2-725/1 से 24, 2-732/1 से 6 और 2-761/1 से 19 बद्रकाली मेहता रोड द्वारा का में स्थित है। इस का रजिस्ट्रेशन नं० विक्री खत द्वारा नं० 1370 तारीख 4-10-1979 है।

जी० सी० गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1046 एक्यू० 23-5-1/
I/80-81—अतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सोनागढ़ ग्राम है तथा जो भारतनगर राजकोट रोड, सोनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीहोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में

कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्री प्रवीन चन्द्रा कनयालाल कानकीया, कानूनी वारीस बसीयत नाम के मुताबीक, कनयालाल एम० कानाकीया, नेशनल ट्रान्सपोर्ट कॉ०, मुसीफा मकान फिरोजशाह मेहता रोड, बम्बई-1।

(अन्तरक)

(2) श्री कानाजीस्वामी दीगंबर जैन विश्रामती ग्रह; के द्वारा प्रधान श्री चिमनलाल भाई हिमलाल शा, सोनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जमीन पर खड़ा है। इस का माप 560 वर्ग गज में भावनगर राजकोट रोड में स्थित है। ये भावनगर रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है और विक्री खत नं० 884 तारीख 18-10-1979 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री भरत चन्द्रा रेवाशंकर कोठारी, भक्ति-
नगर सोसाईटी मार्ग नं० 2, "प्रशांत" राजकोट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री भरत कुमार भगवानजी नाथवानी, जंकशन
टलाट, राजकोट। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जून 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1047/एम्पू० 23/16/1/
80-81—अतः मुझे जी० सी० गर्ग(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी सं० नं० 462, प्लॉट नं० 1 है तथा जो
अमरपाली सिनीमा से दूर, राजकोट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-10-1979स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हदयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हदयमान प्रतिफल से, ऐसे हदयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;एक खुल्ला जमीन जिसका माप 592-2-0 वर्ग गज
एस० नं० 162, प्लॉट नं० 1 में अमरपाली सिनीमा से
करीब दूर स्थित है। और ये बिक्री खाते नं० 5901 तारीख
4-10-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

तारीख : 12-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1048 एक्ज० 23/16/II/
80-81—अतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 462, प्लॉट नं० 2 है तथा जो अमरपाली सिनीमा से दूर, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री विरेन्द्रा रेवाशंकर कोठारी, भक्तिनगर सोसायटी मार्ग नं० 2, "प्रशान्त", राजकोट। (अन्तरक)
- (2) श्री भरतकुमार भगवानजीभाई नायबानी, जंगल प्लॉट, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये गए हैं।

अनुसूची

एक खुल्ला जमीन जिसका भाग 589 वर्ग गज एस० नं० 462; प्लॉट नं० 2 में अमरपाली सिनीमा से दूर राजकोट में स्थित है। ये विक्री खत नं० 5900 तारीख 4-10-1979 में रजिस्ट्री की गई है और ये संपूर्ण वर्णित है।

जी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 12-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1049 एवम् 23/16-2/
1/80-81—अतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० लेख नं० 432 है तथा जो सरदार-
गढ़ बंगला के सामने गंडल रोड, राजकोट में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
5-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री केशवलाल शास्त्रीभाई 39, करनपारा, राज-
कोट। परमारा। (अन्तरक)

(2) श्री बबुकलाल लक्ष्मणभाई राधोड, बापूनगर,
राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अवरोध:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिस का माप 169-1-72 वर्ग गज लेख
नं० 432 में गंडल रोड, सरदारगढ़ बंगला के सामने स्थित
है। ये विक्री खाता नं० 5743 में रजिस्ट्री कि गई है।

जी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 12-6-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1050 एम्यु० 23/1/80-

81—अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 77 ए और 77-बी, पैकी प्लॉट नं० 107 है तथा जो ग्राम माना मावा, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती भानुमती जगजीवन पटेल, 15, जगनाथ प्लॉट, राजकोट। (अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजुला भानुलाल संगवी, स्टेशन प्लॉट, गोंडल। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

एक खुला जमीन प्लॉट जिसका माप 907-12 वर्ग गज एस० नं० 77 और 77-बी प्लॉट नं० 107 पश्चिम भाग में सेन्ट मेरी हार्ड स्कूल ग्राम माना मावा, राजकोट में स्थित है और बिक्री खाता नं० 6123 तारीख 25-10-1979 से राजकोट रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री कि गई है।

जी० सी० गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख : 16-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 16 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1051/एक्यू० 23/I/80-
81—अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० मकान जिसका नाम भुवनेश्वरी गीत
गुरजारी सोसाईटी एरोड्राम के पास है तथा जो राजकोट में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 16-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अवनतीलाल तुलजाशंकर वैध, भानुशंकर
तुलजाशंकर वैध, 1-जगनाथ प्लाट राजकोट।
(अन्तरक)

(2) श्री रत्निलाल बृजलाल त्रिवेदी, भुवनेश्वरी, गीत
गुरजारी सोसाईटी, एरोड्राम के पास, राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जमीन पर खड़ा है। जिसका माप 329-80
वर्ग मीटर में भुवनेश्वरी नाम में गीत गुरजारी सोसाईटी, एरो-
ड्राम के पास राजकोट में स्थित है। जिसका बिक्री खाता नं०
5868 तारीख 16-10-1980 में राजकोट रजिस्ट्रार के
कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 16-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जून, 1980

निर्देश सं० ए० एम० आर०/80-81/61—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट है, और जो कि टेलर रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री जान सिंह पुत्र गोभा सिंह और अक्बार सिंह पुत्र जान सिंह कटरा कर्म सिंह बाजार सतोवाला अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती ममता रानी पत्नी हीरा लाल श्री हीरा लाल पुत्र श्री रमना निवासी लोह गढ़ अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर सं० 2 में यदि कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 568 वर्ग मी० है नं० 9 प्राईवेट कोठी नं० 73 के बाहर जो कि टेलर रोड अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 2061/1 दिनांक 18-10-1979 ऑफ रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 9-6-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1980

निदेश सं० ए०एस०आर०/80/81/82—अतः मुझे एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट रेलवे रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—156G1/80

1. श्री मोहन सिंह और दिआमलसिंह पुत्र ज्ञान सिंह वासी कटरा करन सिंह बाजार मतवाडी (अन्तरक)

2. श्री बरिन्द्र कुमार और सतीश कुमार पुत्र श्री हीरा लाल वासी लोहागढ़ अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 265 1/2 वर्ग गज (प्लाट नं० 9) टेलर रोड, अमृतसर जैसा कि रोल डीड नं० 2034/1 दिनांक 15-10-1979 आफ रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अमृतसर

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-6-1980

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पञ्जाब आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 13 जून 1980

निदेश सं० एएसआर/80-81/63—अतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० एक प्राप्ती कटरा निहाल सिंह वाला छतीखुई अमृतसर है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाचन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित बातों, बतौं :-

1. श्री इन्द्रजीत सिंह सेठी पुत्र हीरा सिंह सेठी आर/ओ बाजार छतीखुई अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमति रणजीत कौर पतिन गुरशरण सिंह सेठी मैनेजर पंजाब ग्रैंड सिंध बैंक नमक मंडी अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में और कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. और अन्य (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्राप्ती दुकानें और 3-1/2 मंजिल बिल्डिंग नं० 1677/1678/6 और नं० 1859-60/61/6 और नं० 2057-58/9 कटरा निहाल सिंह ग्राम छतीखुई अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2184/I दिनांक 31-10-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 13-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० पीकेटी/80-81/64—अतः मुझे, एम० एल०

महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी है, जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय औरबाद पठानकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० के० कपूर ऐंड शिवाजी नगर गली नं० 2 डांगू रोड पठानकोट रोटी नरिन्द्र कपूर अटार्नी (अन्तरक)
2. मै० महाजन आईएम फैक्टरी शिवाजी नगर गली नं० 2, डांगू रोड पठानकोट शराहों मदन लाल धर्म पाल पाटर्न पठानकोट (अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० 2 पर और किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो- के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक बिल्डिंग (प्लॉट रकबा 986 वर्ग गज) गली नं० 2 शिवाजी नगर डांगू रोड पठानकोट जैसा कि सेल डीड नं० 1706/10/79 रजिस्ट्री अधिकारी पठानकोट में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 239-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० एसआर/80-81/65—अतः मुने, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० प्लॉट बसन्त एवेन्यु में है जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मण दास पुत्र दिआल राम बासी मकबूल रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री बरबारा सिंह, प्यारा सिंह, मंगत सिंह, इकबाल सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी गांव मरहाना, त० तरनतारन जि० अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. ओर कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 124 बसन्त एवेन्यु में (रकबा 401 वर्ग गज) जैसा कि सैल डीड नं० 2183/आई० दिनांक 31-10-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 9-6-1980

मोहर :

प्राइप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 13 जून 1980

निदेश सं० एसआर/80-81/66—अतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी डबल स्टोरी नं० 46-ए है, जो माल रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति कमला मेहरा विधवा श्री ललित चन्द मे 46 माल रोड अमृतसर (अन्तरक)

1. श्री सुशील खन्ना और श्री नवल खन्ना पुत्रान श्री ललित चन्द खन्ना, ढाब खटीकां, सार्ई दास रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सी० नं० 2 में और कोई किरायेवार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदादा में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की पश्चात् या तत्पश्चात् वास्तविकताओं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की पश्चात्, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी डबल स्टोरी नं० 46-ए जो कि माल रोड अमृतसर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1084 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रार डी० नं० 1945/1 दिनांक 3-10-1979 आफ रजिस्ट्रीग अथारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 13-6-1980

मोहर :

प्रकृष्य आर्षः टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि अमृतसर

अमृतसर दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० पीटीके/80-81/67—अतः मुझे एम० एल०
महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन कम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी डलहौजी रोड पठानकोट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चदश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यस्थ में कथो करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तविकियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था/हिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्द लाल पुत्र रूप मल वासी शेरा वाली मंडी डलहौजी
रोड पठानकोट (अन्तरक)

2. श्री बाल किशन पुत्र लाल चन्द जैन वासी डलहौजी रोड
पठानकोट (अन्तरिती)

3. मैसर्स जै० एच० आटोमोबाइल (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

4. श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अर्जियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सादर—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रकृष्य 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त प्रकृष्य में दिया
गया है ।

प्रसूची

एक बिल्डिंग पर आधा हिस्सा डलहौजी रोड पर पठान-
कोट जैसा कि सेल डीज नं० 1641/10-10-1979 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, अमृतसर

तारीख : 9-6-1980

मोहर :

प्रारूप आर्द्द ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 जून 1980

निदेश सं० वीएटी/80-81/68—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिस की सं० जमीन 6के-19एम है, जो गोखूवाल बटाला में स्थित है (और इसमें उदाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकारी अधिकारी के कार्यालय एम० आर० बटाला में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. हरदियाल सिंह पुत्र मकमूदन सिंह बार्सी गोखूवाल बटाला (अन्तरक)
2. श्री गैबर्स गंजाव राईस मिज गोखूवाल डेरा रोड बटाला (अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।
4. और कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 6के-19एम गांव गोखूवाल बटाला जैसा कि सेल डीड नं० 5248 दिनांक 4-11-1979 आफ रजिस्ट्री अधिकारी बटाला में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 16-6-1980
मोहर:

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 जून 1980

निदेश सं० बीएटी/80-81/69—प्रतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० प्राप्ति है, जो 6 के—19एम गांव गोखूवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचना ग, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरिदियाल सिंह पुत्र मकसूदन सिंह गांव गोखूवाल बटाला (अन्तरक)

2. मैसर्स पंजाब राईस मिलज डेग रोड बटाला (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 6के—10एम गांव गोखूवाल तहसील बटाला जैसा कि सेल डीड नं० 5263/15-11-1979 आफ रजिस्ट्री-अयारटी बटाला में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 16-6-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/70—यतः मुझे एम० एल०
महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो एक बिल्डिंग कट्टा करम
सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अक्टूबर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किरी धाय की बात, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किमी धन या अन्य धास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—156GI/80

1. श्री गुरचरन सिंह चड्ढा पुत्र अर्जन सिंह वासी निमक
मंडी गली गन्डा अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पूनम पत्नी बाल किशन और नन्दनी
वाइफ०/आफ सारूप नरैन वासी डी० 14-ए/27 माडल
टाऊन दिल्ली ।

(अन्तरिती)

3. श्री गोपाल किशन 42-पी०एम० सालिग राम 30/-
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

लाला जुगल किशोर रु० 58/- प्रति माह ।

4. और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक बिल्डिंग हाऊस नं० 382 से 399/नई—new 843/
VIII-6 करम करम जिवें गली मुशकी मोहल्ला जैसा कि सेल
डीडी नं० 1969/I, दिनांक 10-10-79 रजिस्ट्री अधिकारी
अधिकारी के कार्यालय में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन,
सश्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 9-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/79—यतः मुझे एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० है, जो एक प्लॉट 3 के०-
9½ एम० सुलतान बिन्द रोड में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अक्तुबर 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
वृद्धि में उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी उसके या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसवीर सिंह, मनजिन्द सिंह पुत्र निरंजन सिंह
वासी सुलतान बिन्द रोड अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री परवीन कुमार पुत्र अजेय कुमार 52-बी ईस्ट मोहन
नगर अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि 1, 2 और किराएदार
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट 3-के०-9½ एम० सुलतान बिन्द रोड पर
जैसा कि सेल डीड नं० 4173 दिनांक 11-10-79 में
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 17-6-1980]
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 17 जून 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/72—यतः मुझे एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो प्लॉट सुलतान विद रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसबीर सिंह, मनजिन्द्र सिंह पुत्र निरंजन सिंह वासी सुलतान विंग रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री परवीन कुमार पुत्र अजय कुमार वासी करम आलूबालिया अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि 1, 2 और किराएदार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 3 के-9½, स्पीड सुलतानी विंग, रोड अमृतसर जैसा कि सेल डीड नू० 4172 दिनांक 11-10-79 रजिस्ट्री अधिकारी कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 17-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज, अमृतसर)

अमृतसर दिनांक, 21 जून 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/73—यतः मुझे एम० एल०
महाजन;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो एक प्लॉट ग्रीन एवीनीऊ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से स्थित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अमृतसर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री किशन कुमार माटिया पुत्र गोपी चन्द नियासी
474 ग्रीन एवेन्यू अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं. 474 रकबा 1138 स्के० यार्ड ग्रीन
एवेन्यू अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1932/I दिनांक
31-10-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक : 21-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 21 जून 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/74—यन: मुझे, एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹ से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ति है, जो दया नन्द नगर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्-
ट्रार, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधित उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती बिमला रानी पत्नी श्री तिलक राज वासी
कोठी नं० 29, दयानगर, अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्रीमती कमल पत्नी श्री कमलजीत सिंह
और श्रीमती मीना कुमारी वासी बाजार कसेरियां,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो
तो

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
है ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक कोठी नं० 29-ए, जो कि दया नन्द नगर में
स्थित है, जैसा कि सेल डीड नं० 2647/1 दिनांक 18-12-
79 आफ रजिस्ट्रिंग अथॉरिटी अमृतसर कार्यालय में दर्ज
है ।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 21-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 21 जून 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/75—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद है, जो कि दयानन्द नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अस्तुत्तर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रोमिला मेहरा पत्नी श्री ओम प्रकाश दयानन्द नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ऊर्मिला रानी पत्नी इन्द्रजीत सिंह मीना रानी पत्नी श्री विमलजीत सिंह प्रवीन कुमारी पत्नी प्रदीप कुमार बाजार कसेरियां, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 29 ए० नं० 1815/13-19 और नं० 1621/13-19 जो कि दयानन्द नगर अमृतसर में स्थित है जैसा कि मेल डीड नं० 1966/1, दिनांक 9-10-1979 आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 21-6-1980

मोहर:

प्ररूप आर्द्र. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/76—यतः, मुझे, एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी है, जो कटरा
शेरसिंह में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एम० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मी चन्द पुत्र श्रीमन्मन्द निवासी गांव कोतवाली,
तहसील नगीना, जिला बिजनौर द्वारा तिलकराज पुत्र
रामनाथ, निवासी लम्बी गलीकटरा इलाहाबाद, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार लक्ष्मण दास, निवासी कटरा
शेर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और किराएदार यदि कोई हो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्रापटी नं० 1383/12-9 और नं० 1383 सी०/12-
9 कटरा शेरसिंह सामने रीजेंट टाकीज जैसा कि सेल डीड
नं० 1962/1 दिनांक 9-10-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर
में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 26-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 13 मार्च 1980

निर्देश सं० 272/79-80---यतः, मुझे एच० तिममय्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मेट्रिज न० 50 और सर्वे० न० 128/1
से 4 तक है, जो काकोडा गांव, क्युपेम, गोवा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्युपेम ग्रैंडर डाकुमेंट
न० 247/79 दिनांक 27-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गजानन पोंडोरी नाइक, कर्मोली और अनसूया नाइक
कर्मोली 2. बांगोवंता पोंडोरी, नाइक कर्मोली और वसुंधरा
नाइक कर्मोली, 3. हार यशवंत नाइक कर्मोली और
जानकी नाइक कर्मोली, 4. बाकाग यशवंत नाइक
कर्मोली और किशोरी नाइक कर्मोली, 5. पांडुरंगा नाइक
कर्मोली उर्फ पंडरिनाथ नाइक कर्मोली और नीला
पांडुरंगा नाइक कर्मोली, 6. अजिता विश्वनाथा नाइक
कर्मोली, 7. दिलिपा विश्वनाथा नाइक कर्मोली और
8. श्रिदादा विश्वनाथ नाइक कर्मोली सब काकोरा,
गोवा में स्थित है।

(अन्तरक)

2. मेमर्स शरीफ एन्टरप्राइजिस। खान मालिका और यातायात
उद्देश्य प्रान्तिनिधि, प्रबन्ध प्रान्तिनिधि श्री कोलार
नयीमुत्ता शरीफ पो० बो० न० 35 बन्साह-कुर्चोरेम,
गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4165.72 संवेयर मोटर काराह "बन्साह कुतुबोना"
जो काकोडा गांव, क्युपेम सब-डिस्ट्रिक्ट में स्थित है और
जिसका मेट्रिज नंबर 50 और सर्वे नंबर 128/1 से 4 तक
है।

एच० तिममय्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक---13-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. डा० सोमशेखरराव शिंदले नवरंग टाकौज के नजदीक,
राजाजीनगर, बंगलूर-560010 ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना2. श्री एम० रमेश श्री गोविन्द आचार्या के पुत्र, मनेजर
वेनरा बैंक दिब्बरहल्ली ब्रांच, कोलर जिला ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 मई, 1980

निर्देश सं० सी०आर० 62/25129/79-80/ए० सी० ब्यू०/
बी०—यतः मुझे एच० तिम्मय्या,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० आर० ए० सं० 810-1-ए० और टी०
एम० सं० 652-1-ए है, तथा जो कोडियालबेल गांव
मन्नागुड्डा वार्ड मंगलूर शहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, मंगलूर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-10-1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

11-156GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 429/79-80 दिनांक 3-10-1979]

घर सम्पत्ति जगह जिसकी टी० ए० सं० 652-1-ए
परिमिती 23 सेन्ट्स तथा जो कोडियालबेल गांव, मन्नागुड्डा
वार्ड, मंगलूर शहर में स्थित है।एच० तिम्मय्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक—27-5-1980

मोहर:

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1980

निर्देश सं० नं० सी० आर० 62/25607/79-80/ए० सी०
प्र०/बी०—यल: मुझे एच० तिममय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 899 और टी० एस० सं० 269 है, तथा जो कस्बा बाजार गांव, मंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० बालकृष्ण शेताय गोपाल कृष्ण शेताय के बेटा, कार स्ट्रीट, मंगलूर-1

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीला बी० भट्ट, डा० एम० वामुदेव भट्ट की पत्नी नया फील्ड स्ट्रीट मंगलूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 737 दिनांक 30-11-1979)

जमीन और इमारत जिसकी आर० एस० 899 और टी० एस० 269 313.70 या० सी० माथ इमारत सं० 12-2-188।

एच० तिममय्या,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक—21-6-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/25586/79-80/ए० सी०
क्यू०/बी०—पतः मुझे, एच० तिममय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी जगह सं० 352 है, तथा जो 37वीं 'ए'
क्रास, पांचवा ब्लाक, जयनगर बंगलूर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 24 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिरव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जी० बी० नागराजा 683, 16 वीं मेन रोड 4
'टी' ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रा राजाराम 547/4 और 5, इस्सार
मेनशन्स-I महडी, आर० बी० रोड, बंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दोक्ति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2620/79-80 दिनांक 24-11-79)

खाली जमीन सं० 352

म्युनिसिपल सं० 352/2

37वीं 'ए' क्रास

5वीं ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11

चकबन्दी:

उत्तर —जगह सं० 348 और 349

दक्षिण } —37वीं 'ए' क्रास रास्ता

पूर्व } —जगह सं० 353

पश्चिम } —जगह सं० 354

एच० तिममय्या,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक: 21-6-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1980

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/25171—यतः मुझे, एच० तिम्मय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, तथा जो वेस्ट आफ कार्ड रोड, II स्टेज, राजाजीनगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जे० टी० राजेश्वरी अम्मल डी० स्वामीनाथ मुदलियार की पत्नी सं० 26/ए, महालक्ष्मी ले आउट, राजाजीनगर, बंगलूर-10

(अन्तरक)

2. श्री बी० वेंकटाद्री शेड्डी, बी०, रंगप्प, शेड्डी के पुत्र सं० 2954, II स्टेज, राजाजीनगर, बंगलूर-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2783/79-80 दिनांक 15-10-1979)

खाली निवेशन सं० 5 वेस्ट आफ कार्ड रोड, II स्टेज राजाजीनगर बंगलूर-10 ।

एच० तिम्मय्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर ।

दिनांक—21-6-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/25/25778/79-80/ए० सी०
अयू०/बी०—यतः मुझे, एच० तिम्मय्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5 है, तथा जो रतन सिंह रोड, फेसर
टाऊन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 नवम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी शम्भाल दिवंगत नारायण स्वामी के
पत्नी, सं० 22/1, सं० 8, मुदलियार गार्डन चौथा ब्लॉक,
विनियम टाऊन बंगलूर-66
(अन्तरक)

2. श्री रसूल बेग, एम०, मोहम्मद बेग के बेटा, सं० 5 रतन
सिंह रोड, फेसर टाऊन बंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2239 दिनांक 3-11-1979)

धर सम्पत्ति सं० 5 (पुरानी सं० 23) रतनसिंह रोड,
फेसर टाऊन, बंगलूर-5।

चक्रबन्दी :

पूर्व —जगह सं० 22
पश्चिम —जगह सं० 24
उत्तर —रेल लैन
दक्षिण —रतनसिंह रोड।

एच० तिम्मय्या;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक—21-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून, 1980

निर्देश सं० नं० सी० आर० 62/261०8/79ब80/ए० सी०
व्यू०/बी०—यतः मुझे एज० तिसमय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है, तथा जो ब्रुटन टाऊन, सिविल स्टेशन,
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 17 जनवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में 'कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती (1) मेरी मार्गरेट केल्ली (2) कुमारी ब्रिडगेट
केल्ली (3) श्रीमती नोइल दोरोनी मार्थस इन सब लोग
सं० 9, ब्रुटन रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर।

(अन्तरक)

2. (1) डी० आनंद बसप्पा सन्/आफ डी० बासप्पा
(2) मालती करतार सिंह लालवानी सं० 13, क्रैसेंट
रोड प्रॉइस, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2972/79-80 दिनांक 17-1-1980
घर सम्पत्ति सं० 9 ब्रुटन् रोड, सिविल स्टेशन बंगलूर।
चक्रबंदी

उत्तर — जगह सं० 8

दक्षिण — जगह सं० 10

पूर्व — खासा सम्पत्ति

पश्चिम — ब्रुटन, रोड

एच० तिसमय्या,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज बंगलूर।

दिनांक—21-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/25636/79-80/ए० सी०
क्यू०/बी०—यतः मुझे एच० तिममय्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० पुराना सं० 63 और नई सं० 61, है,
तथा जो गांधी बाजार रोड़ बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित, है (रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 9 नवम्बर, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित
नहीं किया गया है :—

(फ) आरारण से हुई किसी धन की बाबत उक्त, अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा-
1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मैं 1. श्री एम० आर० लक्ष्मीकान्तराव पावर आफ अटारनी
होल्डर, श्रीमती माविली प्रभाकर सं० 54, गांधी
बाजार रोड़ बंगलूर-4।

(अन्तरक)

2. श्री टी० के० ए० नारायण टी० वी० क्रिश्नय्य शेटी
सं० 37/1, एच० बी० समाज रस्ता बसवनगुडी,
बंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2240 दिनांक 9-11-1979)

घर सम्पत्ति सं० पुरानी सं० 63, नई सं० 61 गांधी
बाजार रास्ता, बंगलूर-4।

चकबंदी :

उत्तर —गांधीबाजार रोड़।
दक्षिण —कंसर्वेसी लेन्
पूर्व —बेंकटरामय्या के घर
पश्चिम —गुरुमुक्ती आदवती के घर।

एच० तिममय्या,
सज्जम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक : 28-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देश सं० फा० सं० नि० सं० आ० आ०/अर्जन/135/80-
81--यतः, मुझे, एस० के० बिलर्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 669/2, 3 तथा 4 तथा 670/1 है तथा जो रामनगर, गोंदीया में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 अक्टूबर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय जाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती रुकीबाई जेठानंद परसवानी रामनगर, नागपुर,
(2) श्रीमती शिला प्रतापराव खंबानी, उल्हासनगर,
गोंदीया, (3) श्री हरगुणदास किशगदास परसवानी,
रामनगर, नागपुर।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मणदास जवाहरलाल लालवानी, छपतरी
जिला रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 669/2, 3 तथा 4 तथा 670/1, शिट नं०
38 सी०, रामनगर सिगनल टोलीवार्ड, गोंदीया, जिला
नागपुर।

एस० के० बिलर्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 21-4-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एन०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देश सं० फा० सं० नि० सं० आ० आ०/अर्जन/136/80-81—

—यतः मुझे, एस० के० विलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 309/04 सर्कल नं० 9 है
तथा जो गकडखांब, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12—156GI/80

1. श्री बाबूलाल गोविंदराव वाणी, गकडखांब, नागपुर ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रभावती शंकरलाल तिवेदी, बड़धरा चौक,
नागपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शोधः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि;
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 309/04, सर्कल नं० 9, वार्ड नं० 10 डी०;
गकडखांब नागपुर ।

एस० के० विलय्या,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर ।

दिनांक : 21-4-1980

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देश सं० फा० सं० नि० सं० आ० आ०/अर्जन/137/80-81—यतः मुझे, एम० के० विलय्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 का पूर्व भाग, है तथा जो अमरावती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 अक्टूबर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नितीन कुमार लक्ष्मीनारायण मुदलीयार अज्ञान तथा श्रीमती मुशीलाबाई लक्ष्मीनारायण मुदलीयार, अमरावती ।

(अन्तरक)

2. लोकमान्य निर्माण संस्था, अमरावती ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9 का पूर्व भाग, शीट नं० 9, अमरावती ।

एम० के० विलय्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर ।

दिनांक : 21-4-1980

मोहर :

प्रकरण चार्ज टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० फा० सं० नि० सं० आ० आ०/अर्जन/138/80-81—यतः मुझे, एस० के० विलम्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी गट नं० 574/1, है तथा जो आसगांव, ता० तथा जिला भंडारा में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भंडारा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित प्रक्रियाओं, अर्थात् :—

1. (1) पांडुरंग लालाजी बुझेकार, कोण्डा ता० जि० भंडारा
- (2) बाबूराव लालाजी बुझेकार, कोण्डा ता० जि० भंडारा

(अन्तरक)

3. नारायण शिवरामजी, शिवमणि लकड़गंज, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आरामशील मकान, गट नं० 574/1, एरीया, 10875
स्क्वेयर फुट, रीजा आसगांव ता० जि० भंडारा,

एस० के० विलम्या,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 23-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर-10, दिनांक 23 अप्रैल 1980

निर्देश सं० फा० सं० नि० सं० आ० आ०/अर्जन/139/80-81—यतः मुझे, एस० के० बिलय्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे नं० 305/ए० तथा 306/ए० है तथा जो पारतुर जि० परभणी में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पारतुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 अक्टूबर 1979 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

लक्ष्य: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लक्ष्मीचंद लालजी, (2) रत्नीलाल पदमसिंह मुंबई, डायरेक्टर पदेन से मुहजी जिनींग आणि प्रेसींग कंपनी जि० पारतुर।

(अन्तरक)

2. इंद्रचन्द भवरीलाल छजलानी, म० 1, ता० पारतुर, जि० परभणी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे० नं० 305/ए० तथा 306/ए० एरिया 12.32 हेक्टेयरस एरिया, मौजा पारतुर जि० परभणी।

एस० के० बिलय्या,

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर।

दिनांक : 23-4-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

निर्देश सं० 13/अक्तूबर/79—यतः मुझे, ओ० आनन्दाय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी डोर नं० 134 और 134 ए० डिडुगल रोड, है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ए० एस० आर-II मदुरै (डाक नं० 3981/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाढ़ा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एस० बी० अरुणाचलम् (2) मैनेर ए० करुणा-
निदी (3) मैनेर ए० सेतिल (अन्तरक)

2. श्रीमती टी० राजलक्ष्मी अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रगोशताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

डाकुमेंट नं० 3981/79 जे० एस० आर-II, मदुरै भूमि और निर्माण—डोर नं० 1348 134 ए० डिडुगल रोड; मदुरै।

ओ० आनन्दाय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास,

दिनांक : 29-5-1980

मोहर :

प्रकाश आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

निर्देश सं० 14/अक्तूबर/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 134 और 134ए डिंडुगल रोड़ है, जो मदुरै में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एस० आई-II मदुरै डाकु० नं० 3980/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किया भाग या किया धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री एस० वी० चोककलिंगम
- (2) मैनेर सी० श्रीनिवासन

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती टी० राजलक्ष्मी अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथादृष्टान्तरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 3980/79 जे० एस० आर०-I ; मदुरै)
भूमि और निर्माण और नं० 134 और 134 ए डिंडुगल रोड़, मदुरै

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 29 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एम० बी० रामनाथन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती टी० राजलक्ष्मी अम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास-I, दिनांक 29 मई 1980

निर्देश सं० 15/अक्तूबर/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० 134 और 134ए डिङ्गल रोड है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II, मदुरै (डाक नं० 3977/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 3977/79 जे० एस० आर०-II, मदुरै।

भूमि और निर्माण डोर नं० 134 और 134 ए डिङ्गल रोड, मदुरै।

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I मद्रास

दिनांक : 29 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज । मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

निदेश सं० 41/अक्तूबर/79—यतः, मुझे, श्री० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 294/3 अलगर कोमिल, मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलगर कोमील मदुरै (डाक नं० 1711/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती वी० चंद्रा अम्मान

(2) पी० तगैम नाडार

(अन्तरक)

(2) 1. श्री आर० एम० वी० समिबरनम

2. आर० एम० वी० बालमुन्नामनियम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1711/79 एस० आर० ओ० अलगरकोमील मदुरै

भूमि और निर्माण सं० नं० 294/3 अलगरकोमील मदुरै

श्री० आनंद्राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 29 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज । मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

क्रि.देश सं० 43/अक्तूबर/79-यतः, मुझे, श्री० आनंदराम सक्षमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 4 से 7 बरदराजपेरुमाता कोमिल स्ट्रीट, मद्रास 81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरम, मद्रास (डाक नं० 1436/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर्षण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्षण का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर्षण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

13—156GI/80

(1) श्री बी० पी० सुब्रमनियम मुदालियर

(2) पोन्नम्मल

(3) इशारानी

(4) बी० एम० पार्थसारथी

(5) नीला रानी

(अन्तरक)

(2) (1) श्री जी० बबरलाल,

(2) मोहन बै

(3) बी० रमेशचंद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1436/79 एस० आर० ओ० रामपुरम, मद्रास
भूमि और निर्माण—टोर नं० 4, 5, 6 और 7, बरदराज
पेरुमाल कोमिल स्ट्रीट, मद्रास-81

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज । मद्रास

दिनांक : 29 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती के० ए० ग्रामिणाबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मंजुला एम० प्रजमीरा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

निदेश सं० 57/अक्तूबर/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० नमी डोर नं० 2, सिगरामर कालनी है, जो तल्लाकुलम, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै डाक नं० 4353/79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन अक्तूबर 79)

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 4353/79 एस० आर० श्री० मदुरै)
भूमि और निर्माण नमी डोर नं० 2, (पुराना नं० 33)
प्लॉट नं० 29, सिगरामर कालनी, तल्लाकुलम, मदुरै।

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 29 मई 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती आर० सुतम्माल (अन्तरक)
 (2) श्रीमती एल० सरोजा (अन्तरिती)

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 9 जून 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 11/अक्तूबर/79—यतः, मुझे, ओ० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 1037 (नमी नं० 14) लक्ष्मीपुरम 7 स्ट्रीट, है जो मदुरै में स्थित है (और इसमें अनुसूची उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II मदुरै (डाक नं० 3836/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 79

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

संश्लेषण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 3837/79 जे० एस० आर० II, मदुरै)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—डोर नं० 1037 (नमी नं० 14) लक्ष्मीपुरम 7 स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनंदराम
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9 जून 1980
 मोहर :

प्ररूप आर्क० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० 12/अक्तूबर/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1037 (नई नं० 14) लक्ष्मीपुरम 7 स्ट्रीट
है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे० एम० आर० II मदुरै (डाकू० नं० 3835/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्तूबर 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती आर० सुत्तम्माल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल० सरोजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3835/79 जे० एस० आर० II, मदुरै
भूमि और निर्माण-डोर नं० 1037 (नयी नं० 14)
लक्ष्मीपुरम 7 स्ट्रीट, मदुरै।

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 9 जून 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

(1) मैटर्स मार्शल सन्स एण्ड को० (इंडिया) लि० ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना(2) बुरहानी एस्टेट ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० 36/अक्तूबर/79—यतः, मुझे ओ० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नयी नं० 6 सैकड़ लेन बीच हुई, जो मद्रास-I में स्थित है (और इनमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्त्रीकृती अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० II मद्रास नार्थ (डाकू० नं० 4101/79) में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समकक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4101/79 जे० एम० आर० II मद्रास नार्थ
भूमि और निर्माण-डोर नं० (नयी) 6 सैकड़ लेन बीच,
मद्रास-600001 ।

ओ० आनंदराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 9 जून 1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मिल स्टोर्स प्राईवेट लि०,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) (1) श्री के० मोहम्मद यासिन

(2) श्रीमती सलुह्ला बीबी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० 71/अक्तूबर/79--यतः, मुझे, श्री० आनंद्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिन को सं० 1, पोस्ट आफिस स्ट्रीट है, जो मद्रास-1 में
स्थित है (और इसके उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार प्रोपर्टी के कार्यालय जे० एस० आर०-III,
मद्रास नार्थ (डाकु० नं० 3953/79) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 79
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 3953/79 जे० एस० आर०-III मद्रास नार्थ)

भूमि और निर्माण-डोर नं० 1, पोस्ट आफिस स्ट्रीट,
मद्रास-1।

श्री० आनंद्राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 8 जून 1980

मोहर :

प्राकृत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० 8/नवम्बर/79---यतः, मुझे, श्री० आनंद्राम सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 41, अरमेनियन स्ट्रीट, है, जो मद्रास-I में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-III, मद्रास नार्थ (डाकु० नं० 4729/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुलोचना

(अन्तरक)

(2) (1) फखरुद्दीन मोहम्मद अली

(2) श्रीमती फातिमा बी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 4729/79 जे० एस० आर० III, मद्रास नार्थ)
भूमि और निर्माण—डोर नं० 41, अरमेनियन स्ट्रीट, मद्रास-I।

श्री० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 9 जून 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राजराजेश्वरी इनटर प्राईजिज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री के० सुब्बाया नायडु

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 10443—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1/1402/2 है, जो कृष्णरायपुरम में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबतूर (डाकूमेंट सं० 5162/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुध्दमान प्रतिफल के लिए प्रस्थित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुध्दमान प्रतिफल से, ऐसे बुध्दमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-हत्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-धृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 1/1402/1, कृष्णरायपुरम
(डाकूमेंट सं० 5162/79)

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 जून 1980

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन्. एस.-----

(1) श्री राजराजसेवरी एन्टर प्रैसस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० पार्थसारथी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० 10443—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1/1402/1 है, जो कृष्णरायपुरम में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 5163/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

14-156GI/80]

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 1/1402/1, कृष्णरायपुरम।

(डाकूमेंट सं० 5163/79)]

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 17 जून 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेश सं० 10443—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1/1402/1 है, जो कि कृष्णराय-
पुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयमबतूर (डाकूमेंट सं० 5164/79) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाकित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजराजेश्वरी
इन्टर प्राईजिज।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० देवराज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी टी० एस० सं० 1/1402/1, कृष्णरायपुरम
(डाकूमेंट सं० 5164/79)

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 17 जून 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

(1) दि निलगिरीस डेयसेसन सोसायटी ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) ओनैण्डस् एस्टेट कम्पनी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

अर्जन रेंज -II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० 10428--यनः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रतीत तत्त्व प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 1-11, है, जो सर्वे सं० 358 और 344 मेलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुनूर (डाकूमेंट सं० 1152/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1979

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण के हुई किसी प्राप को बाबा उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण-आर० एस० सं० 344 और सं० 358, मेलूर
(डाकूमेंट सं० 1152/79)

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, -II मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :--

दिनांक : 17 जून 1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) दी नीलगिरिस डीयांसेसन सोसायटी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) इनलेक शिपिंग कम्पनी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेश सं० 10428—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की सं० पलमारा एस्टेट है, जो मेलूर में स्थित है
और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुनूर (डाकूमेंट सं० 1151/79)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का)
16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण पलमारा एस्टेट, मेलूर।
(डाकूमेंट सं० 1151/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

दिनांक : 17 जून 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मरियम्माल और अदरस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मती यारनस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 10483—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जीरा० सं० 312/1, है, जो कन्नमपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूलूर (डाकूमेंट सं० 10483/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—जीरास सं० 312/1, कन्नमपालयम (डाकूमेंट सं० 1587/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 17 जून 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० 10441—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 19/43-44, है, जो बिग बाजार स्ट्रीट
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 5517/79) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
अक्टूबर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री के० शाहल हमीद

(अन्तरक)

(2) श्री रा० सी० कुनजरमत कुट्टो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीर्द भी बाबत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिधर्म पर सूचना
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-19/43-44, बिग बाजार स्ट्रीट
कोयम्बटूर।

(डाकूमेंट सं० 5517/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 जून 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री के० शाहुल हमीद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रा० सी० कुनजहमन कुट्टी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० 10441—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिम की सं० 19/143 है, जो बिग बाजार स्ट्रीट कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अमू.सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकूमेंट सं० 5213/79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 79

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण— 19/43, बिग बाजार स्ट्रीट कोयम्बतूर (डाकूमेंट सं० 5213/79)

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 जून 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० 7524—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 6, जगदामबाल कालोनी है, जो मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेंट सं० 1688/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्री बी० रामनाथ दवे
जानकी बाय

(अन्तरक)

(2) श्री बी० कृष्णमूर्ती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—6, जगदामबाल कालोनी, मद्रास-14
(डाकूमेंट सं० 1688/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 जून 1980

मोहर :

प्रकाश भाई०टो०एन०एस०—

(1) श्री जे० एन० राजलक्ष्मी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० रामचन्द्रन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 7667—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
1/16 है, जो स्टर्लिंग रोड, मद्रास-34
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ
(डाकूमेंट सं० 4195/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोद्घातनी
के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धार्या 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस धार्या में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण—1/16, स्टर्लिंग रोड,
मद्रास-34
(डाकूमेंट सं० 4195/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
15—156 GI/80

दिनांक : 17 जून 1980
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० 7692---यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस का सं० 11, II स्ट्रीट है, जो गोपालपुरम मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेंट सं० 1777/79) में भारतीय रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अनुबन्ध 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री एम० चेल्लम
सं० सीतारामन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दयावती प्रभाकरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धारा में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-11, II स्ट्रीट गोपालपुरम, मद्रास
(डाकूमेंट सं० 1777/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 17 जून 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री टी० राजेन्द्र बाबु

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) जेनुबों और अदरस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 7695—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिम की सं० 15, पूरम प्रकाश राव रोड है, जो बालाजी नगर मद्रास-14 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकां के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेंट सं० 1809/79) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-15, पूरम प्रकाश राव रोड, बालाजी नगर, मद्रास 34

(डाकूमेंट सं० 1809/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 17-6-1980

सोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) आर० मुलोचना

और आदरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) महालक्ष्मी चेम्बरम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

निर्देश सं० 7699—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिस की सं० 56, है, जो जम चरच रोड़
मद्रास-4 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मैलापुर (डाकूमेंट सं० 1830/79) में भारतीय रजिस्ट्रारण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम दिनांक
अक्तूबर 79

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच एगो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयत्नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण-56, जम चरच रोड़, मद्रास-4
(डाकूमेंट सं० 1830/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उदधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

दिनांक : 17 जून 1980

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एम०—

(2) रा० टी० पिच्चैमुल और अदरम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एम० पी० मामियाताल

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :--

निर्देशन सं० 8797--यन०, मुझे, बाल राधाकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिस का सं० टी० एम० 1216/1 है, जो ई० बी० आर० रोड, करूर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करूर (डाकूमेंट सं० 4080/79) में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अवतुथर 79

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोदितकारी के पास विहित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :--

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शर्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—टी० एम० सं० 1216/1, ई० बी० आर०, रोड, करूर
(डाकूमेंट सं० 4080/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

दिनांक : 17 जून 1980

मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 20th June 1980

No. F-32015(1)/1/80-Pers.—The President is pleased to appoint Shri Bal Raj Mehta, Fire Adviser, C.I.S.F., as Dy. Inspector General (Fire) who assumed the charge of the said post with effect from the afternoon of 19th June, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE
Inspector General/C.I.S.F.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 26th June 1980

No. 11/43/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Dina Nath Sharma, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla as Assistant Director of Census Operations in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from the forenoon of the 7th June, 1980 or till the post is filled in on regular basis whichever period is shorter.

The above mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Sharma any claim to regular promotion to the grade of Assistant Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above mentioned *ad-hoc* promotion may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reasons therefor.

The 27th June 1980

No. 10/40/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. R. Mehta, Health Education Officer in the Central Health Education Bureau of the Directorate General of Health Services, a Senior Research Officer (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the fore-noon of 16th June, 1980, until further orders.

2. The Headquarter of Dr. Mehta will be at New Delhi.

No. 11/49/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Asharf Lal, an officer belonging to the Delhi Administration as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Delhi, by transfer on deputation basis with effect from the forenoon of the 9th June, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Asharf Lal will be at New Delhi.

The 30th June 1980

No. 11/42/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Prem Nariani, an officer belonging to Grade 'A' of the C.S.S.S. cadre of the Ministry of Home Affairs to the post of Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, at Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 9th June, 1980, for a period of one year.

2. The Headquarter of Shri Nariani will be at Bombay.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 25th June 1980

F. No. BNP/C/5/80.—The undersigned is pleased to appoint the following permanent Junior Supervisor (Ink Factory) to officiate on regular basis as Technical Officer (Ink Factory) in the scale of pay 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank

Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 17-5-80 (FN) Until further orders.

1. Shri J. N. Gupta,
2. Shri Arun Kumar Ingle.

Their names are appearing in the order of merit, as adjudged by D.P.C. (Group 'B').

The 26th June 1980

F. No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Deptt's Notification of even number dated 1-4-80, the *ad-hoc* appointment of Shri R. C. Agrawal, as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 25-6-1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, on the same terms & conditions.

P. S. SHIVARAM,
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 17th June 1980

No. P.F. No. PD/3/3108.—In continuation of this office Notification No. PD/3 2475 dated 3-6-1980 the officiating period of Shri S. K. Anand A.W.M. is hereby extended up to 4-7-1980 against the leave vacancy of Shri P. P. Sharma A. W. M.

S. R. PATHAK
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 20th June 1980

No. 1173/A.Admn/130/79-80.—On attaining the age of superannuation Shri A. S. Ranganathan, officiating Audit Officer, of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 31st May 1980 (AN).

K. B. DAS BHOWMICK,
Jt. Director of Audit

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 11th June 1980

No. 37/80/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Manager (Prob) with effect from the dates shown against them :—

1. Shri S. F. Coutinho, 16th July, 1979.
2. Shri N. H. S. Ahmed, 26th December, 1979.
3. Shri S. C. Bajpai, 31st December, 1979.
4. Shri Abdul Hamied, 21st February, 1980.
5. Shri R. K. Sharma, 5th April, 1980.

No. 38/80 G.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Temporary Assistant Manager with effect from the dates shown against them :

1. Shri M. K. Mishra, 13th January, 1980.
2. Shri G. Mohan Singh, 23rd January, 1980.
3. Shri B. L. Pathariya, 30th January, 1980.

The 21st June 1980

No. 39/80/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Assistant Manager (P/Ty.) with effect from dates shown against them :—

AM(P)

1. Shri Vinod Kumar SINGH (Refce. ESE 1977)—30th March, 1979.
2. Shri Ravi SHANKAR (Refce. IAS etc. Exam. 1978) —26th December, 1979.

3. Shri Madan Gopal KAMBOJ (Refce. LSE 1978)—9th January 1980.

TY. AM

4. Shri Shvet CHANDRA—29th October 1979.
5. Shri Suresh CHANDRA—22nd January 1980.
6. Shri Umesh SAXENA—27th August 1979.
7. Shri Jagdish Mohan SAXENA—29th June 1979.
8. Shri Gendab Lal SHFROMANI—2nd November 1979.
9. Shri Namdeo Shahu BORKAR—17th September 1979.
10. Shri Pradip BISWAS—21st January 1980.

(Sl. No. 4—10—Refce. UPSC No. F.I/329/78/RD dt. 7-10-78).

The 20th June 1980

No. 41/80/G.—The President is pleased to appoint Shri Mahesh Gupta, as Assistant Manager (Prob)/Admin. with effect from 16-1-1980 (F/N).

No. 42/80/G.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Sharma as Assistant Manager (Prob)/Engr. with effect from 28-1-1980 (F/N).

V. K. MEHTA,

Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 26th June 1980

No. 12/623/69-Admn.(G).—Shri B. M. Sharma has relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) (Industrial Management & Training) in the Small Industries Service Institute, Indore, with effect from the forenoon of 1st May, 1980.

2. The services of Shri B. M. Sharma are placed at the disposal of the Indian Investment Centre, Bhopal with effect from the forenoon of 1st May, 1980, for appointment as Administrative-cum-Accounts Officer.

No. A-19018/117/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. Ramakrishnan, Asstt. Director (Gr. I) (Electronics) in Small Industries Service Institute, Bangalore as Deputy Director (Electronics) in Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the forenoon of 19th May, 1980, until further orders.

No. A-19018/321/77-Admn.(G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri S. S. Bhosarekar from the post of Deputy Director (Metallurgy), Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the afternoon of 10th April, 1980.

M. P. GUPTA,
Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 26th June 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under class 6 Division-3, after the entry "SEISMIC ELECTRIC DETONATORS", add the following, namely:

1. "SUPER PLAIN DETONATORS (No. 8 strength)"
2. "SUPER ELECTRIC DETONATORS (No. 8 strength)".

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 1, add "PRACHAR, PRAGALPH and PRAKASH" after the entry "PRACHAND".

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 26th June 1980

No. A.19011(208)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Gurachary, Junior Mining Engineer to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 20-3-80.

The 28th June 1980

No. A-19011(63)/70-Estt.A.—On his voluntary retirement on 6-6-80(A/N), Shri N. A. Subramanian, Permanent Deputy Ore Dressing Officer and Officiating Ore Dressing Officer is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 6-6-80 and accordingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this department.

No. A19011(253)/78-Estt.A.—Shri S. R. Kate, Assistant Controller of Mines (on ad hoc) is granted proforma promotion to the post of Assistant Mining Engineering, Indian Bureau of Mines with effect from 11-4-80 under Fundamental Rule 30 "Next Below Rule" until further orders.

S. V. ALI,
Head of Office
Indian Bureau of Mines

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 27th June 1980

No. F.11-23/79-A.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Anand Kumar Sharma, as Microphotographer (Cl.II) Gazetted on regular temporary basis w.e.f. 19-5-80 (F.N.) until further orders.

S. A. I. TIRMIZI,
Director of Archives
Govt of India

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th June 1980

No. 2/2/66-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. B. Ozarkar, Accountant, AIR, Jalgaon to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis, All India Radio, Jalgaon with effect from 5-5-80.

The 21st June 1980

No. 29/1/76-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Y. Gangi Reddy, Farm Radio Reporter All India Radio, Vishakhapatnam to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Vishakhapatnam with effect from 4-3-80.

The 27th June 1980

No. 3/27/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. Govindaswamy, Accountant, All India Radio, Madras to officiate as Administrative Officer, All India Radio Vijayawada with effect from 19-5-80.

S. V. SESHADRI,
Dy. Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 13th June 1980

No. A-12011/3/78-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri D. C. Ray to officiate as Chief Modeller in this Directorate at New Delhi with effect from the forenoon of 28th May 1980, until further orders.

J. R. LIKHI,
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

New Delhi 1, the 23rd June 1980

No. A-19012/4/71-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Amal Mukherjee, a permanent Exhibition Assistant in the Directorate of Advertising & Visual Publicity to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Unit, Kohima of the same Directorate on ad-hoc basis w.e.f. 18-2-80 (A.N.).

J. R. LIKHI,
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th June 1980

No. 31014/3/80-Admn.II.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Shri H. S. Verma in a substantive capacity in the permanent post of Administrative Officer at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the 17th June, 1979.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director (Admn.)

STORE I SECTION

New Delhi, the 28th June 1980

No. A.19012/3/79-SI.—The President is pleased to appoint Shri Sujit Kumar Sarkar in the post of Depot Manager, Government Medical Store Depot Calcutta with effect from the forenoon of 19th May, 1980 in a temporary capacity and until further orders.

SHIV DAYAL
Dy. Director Admn. (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF FOOD)

NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 19th June 1980

No. Fstt. 19(6)/1881.—Shri Lallan Prasad Tewari, Senior Technical Assistant at National Sugar Institute, is appointed to officiate as Junior Technical Officer (Sugar Technology)/Manufacturing Chemist on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17-6-80 till further orders.

N. A. RAMAIAH,
Director

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 30th June 1980

No. A.19025/26/80-A.III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group B), Shri T. S. Krishnamoorthy, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Market-

ing Officer (Group III) in this Directorate at Cochin with effect from 24-5-80 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 24th June 1980

No. AMD-1/30/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Dr. Jyotindra Nath Rath as Assistant Surgeon in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 2, 1980 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 26th June 1980

No. F(1)/05409.—The President is pleased to appoint Dr. C. R. Sreedharan, Meteorologist Grade I, India Meteorological Department as Director in an officiating capacity, in the same department with effect from the forenoon of 27th March 1980 and until further orders.

The 27th June 1980

No. E(1)/05091.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Sharma, Assistant Meteorologist, as Meteorologist Grade I in an officiating capacity, in India Meteorological Department with effect from 14th May 1980 and until further orders.

The 28th June 1980

No. A-32014/3/78-F.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints Shri A. K. Hansda as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th April 1980 and until further orders.

S. K. DAS
Additional Director General of Meteorology
for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th June 1980

No. A-38015/2/80-ES.—Shri C. R. Dutta, Store Officer (Group 'B' post) in the Office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st May, 1980 on attaining the age of superannuation.

The 21st June 1980

No. A. 32014/3/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on an adhoc basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1.	Shri N. K. Sen	Radio Construction & Development Units, New Delhi.	Radio Constr. & Development Units, New Delhi.	26-5-80 (FN)
2.	Shri S. Talpatra	Aeronautical Communication Station, Agartala	Aeronautical Communication Station, Agartala	20-5-80 (FN)
3.	Shri M. C. Dey Bhowmik	Aeronautical Communication Station, Calcutta.	Aeronautical Communication Station, Calcutta.	12-5-80 (FN)
4.	Shri A. C. Dutta	Aeronautical Communication Station, Calcutta.	Aeronautical Communication Station, Calcutta.	15-5-80 (FN)

The 24th June 1980

No. A-32013/5/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Dhunta, Asst. Director of Communication, DGCA (HQ) to the grade of Dy. Director of Communication on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 23rd May 1980 (FN) and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 23rd June 1980

No. 1/439/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar, Supervisor, Calcutta as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 3rd December 1979 to 29th February 1980, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/423/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. Karunakaran, Superintendent, Bombay Branch as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 16th January 1980 to 1st March 1980, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/42/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Tilak Raj, Superintendent, New Delhi Branch as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 1st March, 1980 and until further orders.

No. 1/83/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Verma, Permanent Traffic Accountant, Headquarters Office, Bombay as Traffic Accounts Officer in an officiating capacity, in the same office, for the period from 7th January 1980 to 15th March 1980, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 27th June 1980

No. 5/80.—Shri Satish Kumar, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 13th June 1980 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

No. 6/80.—Shri P. Namachivayam, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 19th June 1980 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA
Collector of Customs.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 26th June 1980

No. 17/80.—Shri B. K. Duggal, lately posted as Assistant Collector of Central Excise Kanpur on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Deptt. of Revenue Order No. 58/80 (F. No. A-22012/4/80-Ad.II) (Pt. II) dated 9th May 1980, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' from 27th May 1980 (Forenoon).

K. L. REKHI
Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 24th June 1980

CORRIGENDUM

No. A-19012/726/78-Adm.V.—Reference Commission's Notification No. A-19012/726/78-Adm. dated 5th September 1979. The date of promotion of Shri Baldev Raj, Asstt. Engineer may be read as 24th May 1978 (F.N.) instead of 31st May 1978 (A.N.).

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 28th June 1980

No. 33/11/78-ECIX(Vol.III).—The President is pleased to appoint Shri R. H. Khobragade a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (C.S.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 23rd March 1979 (FN) on the usual term and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri R. H. Khobragade is placed on probation for a period of two years with effect from 23rd March 1979 (FN).

No. 33/11/78-ECIX(Vol.III).—The President is pleased to appoint Shri R. M. Aggarwal a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (C.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 4th June 1980 F.N. on the usual term and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri R. M. Aggarwal is placed on probation for a period of two years with effect from 4th June 1980 (F.N.).

K. A. ANANTHANARAYANAN
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(DEPARTMENT OF REHABILITATION)

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Mana Camp, Raipur-492 015, the 20th June 1980

No. PF/G/18/80-14680P.—Consequent upon his selection for the post of Senior Investigator (Rs. 550—900) under Bureau of Public Enterprises, Minister of Finance, Government of India New Delhi, Shri K. Govinda Raiu, relinquished the charge of the post of Statistical Officer (Rs. 550—900) Rehabilitation Reclamation Organisation, at Mana Camp, Raipur (MP) on the afternoon of 20th June 1980.

B. P. SAXENA
Administrative Officer
for Chief Mechanical Engineer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Favourite Packaging Pvt. Ltd.

Ahmedabad the 21st June 1980

No. 2195/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

the name of M/s. Favourite Packaging Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ranip Saving Private Limited*

Ahmedabad, the 21st June 1980

No. 2234/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ranip Saving Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies,
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Garden Stores (Assam) Private Limited*

Shillong, the 27th June 1980

No. 1040/560(3)/1164.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Garden Stores (Assam) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

Assam, Meghalaya, Manipur,
Tripura, Nagaland, Arunachal
Pradesh & Mizoram, Shillong

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. V. R. C. Weavers Private Ltd.*

Bangalore, the 28th June 1980

No. 3059/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. V. R. C. Weavers Private Ltd. unless cause is as shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Cauveri Films Ltd.*

Bangalore, the 28th June 1980

No. 1421/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Cauveri Films Ltd. unless cause is shown to

the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kar Industrial Products & General Agencies
Private Limited*

Bangalore, the 28th June 1980

No. 2518/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kar Industrial Products & General Agencies Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Mysore Oil Proteins Private Limited*

Bangalore, the 28th June 1980

No. 2570/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Oil Proteins Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

No. 2903/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sputnik Laboratories Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

New Delhi, the 19th June 1980

INCOME TAX

F. No. JUR-DLI/II/80-81/9925.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 19th June 1980.

Company Circle XXV, New Delhi.

N. S. RAGHAVAN
Commissioner of Income Tax
Delhi-II, New Delhi.

FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

PATNA

Patna-800001, the 1st March 1980

Ref. No. JII-381/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 391, Ward No. 1, Plot No. 9, 10, 11, 15, 16, 6, 7 and 8, Khata No. 11, 14 and 16 situated at Barahmasia P. S. Giridih

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shree Krishna Investment Company Ltd. At 13 Old Court house street Calcutta.

(Transferor)

(2) M/S Raw Mica Mykkanite Company through partners Shri Nand Kishore Ram and Shri Ashok Ram Both sons of Shri Rameshwar Ram At Giridih Dist. Giridih.

(Transferee)

(3) Transferor

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of vacant land measuring 1.73 acres together with boundary walls and a well lying and situated at Mouza Barahmasia, Dist. Giridih and morefully described in deed No. I-5577 dated 27-10-79 registered at Sub-Registrar of Assurances Calcutta.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 1-3-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hemant Kumar Bafna s/o Sh. Tej Singh Bafna,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Kumari Punam Babel D/o Sh. Chander Singh D-462
Bhupal Pura, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/706.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing o.
House No. 21 situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Udaipur on 15-10-79
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issued of this notice hereby sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45
days from the date of publication of this in the offi-
cial Gazette or a period of 30 days from the service
of notice on the respective persons, whichever period
expires later :—

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have in the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated on plot No. 21 Fatehpura,
Udaipur and more fully described in the sale deed registered
by the S.R. Udaipur vide registration No. 2662 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/LAC(Acq.)/707.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 21 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 15-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narender Bafna s/o Shri Tej Singh Bafna R/o Indore.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Babel s/o Shri Chander Singh Babel D-462, Bhupatpura, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated at Plot No. 21 and shop No. 4 & 5 Fatchpura Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2664 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Jaipur on 30-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kumari Aruna Bafna D/o Shri Shyam Sunderlal Bafna R/o 7-K 15 Jawahar Nagar, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Dinesh Kumar s/o Shri Gopaldasji Khandelwal R/o Kanti Chandra Road Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of upper storey building situated at Chommu House C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2735 dated 30-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pratap Singh Bafna s/o Shri Siremal Bafna R/o Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manoharlal s/o Sh. Kanhiyalal and Smt. Ladji w/o Sh. Manoharlalji 107, Dewali, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/708.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 21 situated at Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Udaipur on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 21 situated at Fatehpura Distt, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2668 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-80

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Pratap Singh Bafna s/o Shri Siremal Bafna
R/o Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Chander Singh Babel D-462, Bhupalpura, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 21 situated at Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Udaipur on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 21 situated at Fatehpura Distt. Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2667 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 13-5-80
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Shyam Sunderlal Bafna s/o Shri Vishnulaaji
Bafna R/o 7-R 15 Jawahar Nagar, Jaipur.
(Transferor)

(2) Smt. Manful Devi w/o Shri Gopaldasji Khandelwal
R/o Kanti Chandra Road, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/1AC(Acq).—Whereas, I,

M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 11-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—156GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the house property known as Tabela Building situated at Chommu House C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2560 dated 11-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-5-80

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1980

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/710.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dalpat Singh s/o Shri Thakur Iswar Singh Mendwas House Nehru Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/S Rastogi Steel Furniture, 102 Nehru Bazar, Jaipur through its partners Svs. Pawan Kumar, Suresh Kumar and Mahesh Kumar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Mendwas House area, Nehru Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2660 dated 24-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq./728.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Suniti Rathore w/o Shri C. S. Rathore B-36, Panch Sheel Enclave, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Dhyanchandra Bothra s/o Shri Chandmalji Bothra c/o Dr. G. C. Bothra Durlabhji Hospital, Jaipur.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 198 sq. mtr. situated in Bhagirath colony Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2629 dated 24-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/729.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Open plot situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 12-10-79for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Suniti Rathore, w/o Sh. C. S. Rathore, B-36
Panch Sheel Enclave, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kishan Kumar Saraf, s/o late Shri Ram Gopal,
Plot No. C-8, Bhagirath Colony, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

226 sq. yds. of open plot situated at Bhagirath colony, Jal-
pur and more fully described in the sale deed registered by
the S.R. Jaipur vide registration No. 2605 dated 12-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 17-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/730.—Whereas, I.
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. C-9, situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Jaipur on 12-10-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Suniti Rathore w/o Shri C. S. Rathore B-36
Panch Sheel Enclave, New Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Nand Kishore Saraf s/o Shri Ram Gopal, C-8,
Bhagirath colony, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-9, Bhagirath colony Jaipur measuring 266-65
sq. mtr. and more fully described in the sale deed registered
by the S.R. Jaipur vide registration No. 2611 dated 12-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Gangangar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gangangar on 6-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwana Ram s/o Shri Moti Ram r/o 6-E Chotti, Sriganganagar.

(Transferor)

- (2) Adarsh Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd., 79 Gole Bazar, Gangangar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bigha situated at Chak 6-E, Chotti, behind State Bank of Bikaner & Jaipur's colony and more fully described in the sale deed registered by S.R. Gangangar vide registration No. 3140 dated 6-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 17-6-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.).—Whereas, I, **M. L. CHAUHAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Ganganagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ganga Nagar on 5-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

- (1) Shri Bhagwana Ram s/o Shri Moti Ram R/o 6-E Chotti, Sriganganagar.
(Transferor)
- (2) Adarsh Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd., 79 Gole Bazar, Ganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bighas situated at 6-E Chotti behind State Bank of Bikaner & Jaipur's colony and more fully described in the sale deed registered by S.R. Ganganagar vide registration No. 3120 dated 5-10-79.

M. L. CHAUHAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-6-1980
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surender Kumar Marwal s/o Chaturbhuj Marwal, Bhagat Vatika Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh Aluwalia s/o Shri Kartar Singh Aluwalia Lalgarth ouse, Sansarchandra Road, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/740.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 54, situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 54, situated at Bhagat Vatika Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2617 dated 24-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 20-6-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/738.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—156GI/80

(1) Smt. Shakuntla Jain 2-B Comal Street, Calcutta-16.
(Transferor)

(2) Smt. Lajwanti Madan, Guzu Nanakpura, Adarsh Nagar, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor and mazine floor of property situated at plot No. 9, M.I. Road Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Registrar of Assurances, Calcutta vide registration No. 5267 dated 12-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 20-6-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/739.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 9 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons namely :—

(1) Smt. Shukuntla Jain 2-B Comal Street, Calcutta-16.
(Transferor)

(2) Smt. Radha Devi 32, Indira Colony Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of the property situated at plot No. 9, M.I. Road Jaipur and more fully described in the sale deed registered by Registrar of Assurance Calcutta vide registration No. 5366 dated 12-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 20-6-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Raj/LAC(Acq.)/741.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot land situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 4-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurukirat Kaur w/o Shri Jagjit Singh Sethi Bhim Ganj Mandi, Kota.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Avatar s/o Bhawani Bhankerji Digodwale, R/o Ladpura, Kota.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 5120 sq. ft. situated on plot No. 42 Ballabh Nagar, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide No. 1271 dated 4-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 30-6-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suraj Prakash Mahajan, 183 Ballabb Bari, Kota.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ishwarlal Vyas 796 Dadawari, Kota.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Rej/LAC(Acq.)/741.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

600 sq. yd. of open land with construction of 2 rooms measuring 27 sq. mtr. and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 1349 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 30-6-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. S. Mehta Rtd. Chief Engineer Western Railway, Mehta Niwas, Kota.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusum Lata w/o Shri Chetan Kumar, Serwala Station Road, Kota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/743.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot land situated at Kota (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 9-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 3087.5 sq. ft. located near Bal Mandir School, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 1288 dated 9-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 30-6-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/742.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot situated at Kota

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 9-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri R. S. Mehta s/o Shri B. L. Mehta, Mehta Niwas, Station Road, Kota.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Ram Bharosa Lal, Near Bal Mandir School, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 3087.5 sq. ft. located at near Bal Mandir School Kota and more fully described in the sale deed registered by S.R. Kota vide registration No. 1289 dated 9-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 30-6-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/745.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 20 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 1-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Het Ram Choudhary S/o Dilip Singh Ieldar,
Kota Now 22-Vivekanand Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Devi w/o Shyamlal 2. Smt. Rekha Devi
w/o Roopchand Sindhi Khatri, Gumanpura, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 5400 sq. ft. located at plot No. 20 Ballabh Nagar, Kota and more fully described in the sale deed registered by S.R. Kota vide registration No. 1365 dated 18-10-79.

M. L. CHAUHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 30-6-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 17th June 1980

Ref. No. AR-I/AP.315/80.—Whereas, I,
P. L. ROONGTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 437 of Parel Division situated at Ferguson Road
Parel Division Document No. 2269/75

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay
Bombay on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ramnath Sadanand Mhatre 2. Bhalchandra Harishankar Mhatre 3. Rangnath Bhikoba Mhatre 4. Mahesh Khanderao Mantri,

(Transferor)

- (2) M/S Prakash Cotton Mills Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2269/75 and registered on 22-11-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 17-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Faqir Chand Dhawan S/o Sh. Devj Charan,
R/O 47 Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)

(2) Sardar Gurcharan Singh S/O Sh. Sunder Singh,
5-F-43-A, Township, Faridabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. BGR/27/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 31 Fruit Garden Area, (measuring 1400 sq. yds.) Township situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—156 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 31, Fruit Garden (measuring 1400 sq. yds.) situated at Township, Faridabad and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 5372 dated 30-10-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-80
Seal :

Form I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. DLJ/9/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 1 and measuring 11 Bighas 4 Bishwas (11288 sq. yds.) situated at Vill. Sikanderpur Ghosi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Greater Delhi Planners (P) Ltd,
Flat No. 3, Shanker Market, Cannought Circus,
New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Varinder Bhatnagar Sansthan,
A-1, Gurudwara Road, N.D.S.E. Part I,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 Bighas 4 Biswas (11288 sq. yds.) situated at Village Sikanderpur Ghosi, Teh & Distt. Faridabad and more mentioned in the deed registered at No. 462 dated 10-10-1979 with the sub-registrar, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Madan Singh S/o Smt. Laxmi Devi Alias
Smt. Laxami Devi W/o Bakshi Partap Singh
R/o 535 R/A Model Town, Yamunanagar.
(Transferor)

(2) Shri Dewan Suraj Dutt S/o Dewan Ram Lal Dutt
535-R/A, Model Town, Yamunanagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. JDR/9/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House No. 535 R/A situated at Model Town, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jagadhari in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 535-R/A, situated Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3048 dated 3-10-79 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. JDR/8/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Factory building situated at Garhi Mundu Road Jagadhari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Sh. Narinder Kumar Gupta S/o Sh. Jai Parkash Gupta, Jagadhari.
- (ii) Sh. Ram Saran S/o Chhittar Mal, R/o Hakikat Nagar, Saharanpur.
- (iii) Sh. Subhash Chand Sachdeva S/o Sh. Lekh Raj R/o Resettlement Colony, Saharanpur.
- (iv) Sh. Inderjit Taneja S/O Kewal Krishan Taneja, R/o Saharanpur.
- (v) Smt. Madhu Babbar W/o Madan Lal, R/o Dharampur Nagina.

(Transferor)

- (2) Shri Virender Kumar Sachdeva S/o Sh. Gobind Ram c/o M/s. V. K. Steel Udyog Garhi Mundu Road, Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building situated at Garhi Mundu Road, Jagadhari and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3115 dated 9-10-1979 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. DLI/10/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/42, Industrial Plot in DLF Industrial Estate-I, situated at Faridabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Satya Wanti W/O Dr. Dharam Pal,
Green Park, Ambala Cantt. (Transferor)
- (2) M/S. Perfect Fasteners Private Limited,
1/43 DLF Industrial Estate, Faridabad-121003. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 1/42, D.L.F. Colony, Industrial Estate-I, Faridabad and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 493 dated 3-10-1979 with the Sub-Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. HSR/17/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 92, New Anaj Mandi situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—

- (1) Smt. Tulsan Devi
W/o L. Matu Ram Mahajan R/o Vill. Khara
Teh. & Distt. Hissar, (Transferor)
- (2) Shri Ram Ditta S/o Lekhu Ram,
R/O Vill. Nangthala, Teh. Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 92, situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2487 dated 25-10-1979 with the Sub Registrar, Hissar,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabd-380 009, the 30th May 1980

Ref. No. P.R. No. 934 Acq. 23-7-4/80-81.—Whereas,
I, S. C. PARIKH,being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
R.S. No. 619-1, City S. Tika No. 17 (C.S. No. 2167) part
situated at Near Natraj Cinema, Shantadevi Road, Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on 17-10-1979for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) Thakerbhai Maganbhai : President,
Jivabhai Ukabhai : Chairman,
Nanubhai Khandubhai Naik : Secretary
C/o Shri Purna Coop, Housing Society;
Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Jayeshkumar Pannalal Chokshi;
C/o Hotel Jal Pvt. Ltd.,
Kabilpor, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated near Natraj Cinema, Maharani Shantadevi
Road, Navsari bearing R.S. No. 619-1, City Sur. Tika No. 17
(C.S. No. 2167) Paiki land duly registered at Navsari on
17-10-1979.S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, AhmedabadDate : 30-5-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1980

Ref. No. P.R. No. 935 Acq. 23/19-7/80-81.—Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Nondh No. 2245-A-2-B situated at Opp. Textile Market, Ring
Road, Begampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

Surat on 9-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Partner of Bhagvati Weaving Works;
1. Shri Harkisandas Chhaganlal Soparivala;
2. Shri Fulchanddas Chhaganlal Soparivala;
3. Shri Gamanlal Chhaganlal Soparivala;
Tulsi Falia, Begampura, Surat.
(Transferor)
- (2) Smt. Bhanumatiben Ishvarlal;
H. No. 2/275, Rustampura, Malesar Mahollo,
Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 2245-A-2-B, Wd. No. 4,
Begampura Surat duly registered with Sub-Registrar, Surat on
9-10-79 vide No. 3660/71.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 5-6-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1027 Acq. 23-18-5-80-81.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 8-B paiki-Godown Udhyanagar, Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhawan on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—156GI/80

(1) Standard Auto Valves;
through : Shri Jagdishchandra Chandulal Parikh & others, Vadipura, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Prince Optics Industries;
Plot No. 8-B, Udhyanagar, Jintan Road, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sheds—Godowns—Plot No. 8-B paiki standing on land 866-6 sq. ft situated at Udyogangar, Jintan Road, Surendranagar duly registered by Registering Officer, Wadhawan vide sale-deed, No. 2623/17-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1928 Acq. 23/18-9/80-81.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8-8 paiki-Shed situated at Udhyognagar, Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhwan on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Standard Auto Valves;
through : Shri Jagdishchandra Chandulal Parikh & others, Vadipara,
Surendranagar.

(Transferor)

(2) Plastisite Industries;
through : Partner : Shri Rasiklal Jayantilal.
Plot No. 8-B, Udhyognagar, Jintan Road, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed-Plot No. 8-B paiki standing on land 1016 sq. yds. situated at Udhyognagar, Jintan Road, Surendranagar. duly registered by Registering Officer, Wadhwan, vide sale-deed No. 2624/17-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE I,**

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1029, Acq. 23/Acq.I/80-81.—Whereas
I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 70-1 F.P. 64-1 situated at Sheikhpur Khanpur Sim. Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-10-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bal Dahi, Gordhandas Kuberdas Mody;
Ratan Pole, Shethni Pole, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) 1. Shri Jerom Lawrence D' Souza,
C/o. Peter D' Souza (Tailor) Near Electricity
House, Relief Road, Ahmedabad.
2. Shri Angelo D' Souza, C/o. D. S. D'Souza,
Dhapa Suthar's Pole, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 609-66 sq. yds.-bearing No. 70-1-F.P. No. 64-1, situated at Sheikhpur Khanpur Sim, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11747/19-10-1979 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nathiben Natha & Others;
Kumbharwada Porbandar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Birju Ice Industries;
Prop. Sushilaben Dolarrai Chotai;
Sutharwado, Porbandar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1030 Acq. 23/11-4/80-81.—Whereas I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.C.S.W. No. 1—S No. 7712-A situated at Liberty Talkies to
old Police Line, Porbandar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at Porbandar on 12-10-1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
-
- the transferor to pay tax under the said Act, in res-
-
- pect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- monies or other assets which have not been or which
-
- ought to be disclosed by the transferee for the pur-
-
- poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons, which-
-
- ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of
-
- the publication of this notice in the Official
-
- Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing C.S.W. No. 1, Sur. No. 7712-A on land
adm. 370-4-0 sq. yds. situated at from Liberty Talkies to
old Police Line Porbandar, duly registered by Sub-Registrar,
Porbandar vide sale-deed No. 2922/12-10-79 i.e. property as
fully described therein.G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1031 Acq. 23/Acq.II/80-81.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TPS No.19-FP. No. 278 paiki Sub-plot No. 5-A paiki situated at Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Snchlataben Navinchandra Pandya;
App. Jariwala Park, Navrangpura;
Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) 1. Shushilaben Govindlal;
2. Sudhaben Govindlal;
3. Kokilaben Govindlal;
4. Divyakant Govindlal Patel;
5. Kiritkumar Govindlal Patel;
Pakhali's Pole, Raipur, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and adm. 169-20 sq. mts.-TPS. No. F.P. No. 278 paiki sub-plot No. 5-A situated at Navrangpura, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale deed No. 8538/77/Oct., 79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE I,**

**2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1032 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 13:13-1 paiki T.P.S. No. 2, F.P. No. 56-3 situated at Ranip, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kaushikehandra Jagannath Dalwadi;
Behind Jaideep, Navrangpura High School,
Navrangpura, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Satyagurudayal Coop. Housing Society Ltd.,
through : Chairman : Shri Bhupendra I. Dave,
and others, Old Patel Society, Near Mohan Cinema,
Jehangirpura, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1973-5 sq. yds. bearing S. No. 13; 13-1, paiki TPS. No. 2, F.P. No. 56-3 situated at Ranip, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 11588/15-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1033 Acq. 23/I/80-81.---Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 13; 13-1 paiki T.P.S. No. 2, F.P. No. 56-3 situated at Ranip, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ranjaben wife of Pramodchandra Jagannath Dalwadi;
Behind Jaideep Navrangpura High. School,
Narayanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Satgurudayal Coop. Hsg. Society Ltd.,
through: Chairman Shri Bhupendra I. Dave,
& others, Old Patel Society, Near Mohan Cinema,
Jehangirpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1973-5 sq. yds. bearing S. No. 13 : 13-1, paiki T.P.S. No. 2, F.P. No. 56-3—situated at Ranip, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11589/15-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P. R. No. 1034 Acq. 23/Acq.I/80-81.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 13 : 13-1 paiki T.P.S. No. 2, F.P. No. 56-3 situated at Ranip, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pramodchandra Jagannath Dalwadi;
Behind Jaideep Navrangpura High School,
Naranpura, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Satgurudayal Coop. Housing Society Ltd.,
through : Chairman : Shri Bhupendra I. Dave;
& others, Old Patel Society, Near Mohan Cinema,
Jhangirpura, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1973 sq. yds. bearing S.No. 13 : 13-1 paiki T.P.S. 2,—F.P. No. 56-3—situated at Ranip, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11590/15-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1035 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 13 : 13-1 paiki T.P.S. 2, F.P. No. 56-3 situated at Ranip, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—156GI/80

- (1) Smt. Kumudben wife of Kaushikchandra Jagannath; Dalwadi;
Behind JaidEEP Navrangpura High School,
Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Satgurudayal Coop. Housing Society Ltd.,
through; Chairman Shri Bhupendra I. Dave,
& others, Old Patel Society, Near Mohan Cinema,
Jehangirpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1973-5 sq. yds. bearing S. No. 13:13-1 paiki T.P.S. 2, F.P. No. 56-3-situated at Ranip, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11591/15-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Emergency Mechanic Works;
Through : Managing Partner : Ganpatlal Haribhai
Rathod,
Udhyognagar, Surendranagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1036 Acq 23/I/80-81.—Whereas I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Shed at Udhyognagar situated at Udhyognagar, Surendra-
nagar
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Wadhwan on 17-10-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

- (2) Shalimar Textile;
through : Partner :
Shri Kantilal Vrajlal Vakharia,
Udhyognagar, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed on land adm. 1066 sq. yds. situated at
Udhyognagar Surendranagar, duly registered by Registering
Officer, Wadhwan, vide sale-deed No. 2625/17-10-79 i.e. pro-
perty as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-6-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shirishchandra Chandulal Shah;
D-Room No. 10, Ram Niwas, Shahpur, Mill Com-
pound, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar Ghanshyambhai Shah;
Kashmira Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1037 Acq. 23/L/80-81.—Whereas I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
F.P. No. 917 paiki-T.P.S. 3-Sub-plot No. 11 (1/3rd share)
situated at Paldi, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at Ahmedabad on 18-10-1979
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 840 sq. yds. bearing TPS.
3 F.P. No. 917, paiki-Sub-plot No. 11 1/3rd share thereof-
situated at Paldi, Jai Bhikhu Road, Ahmedabad duly regis-
tered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale-deed
No. 11700/18-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE I,
 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1038 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I.P. No. 68, paiki-T.P.S. 3 C.No. 68-B-Kazipur-Kagdiwad situated at Shahpur, Opp. Fire Brigade Station, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Ramechandra Dolatram;
 2. Kishanchand Dolatram;
 Both at Lakhisara Niwas, Opp. Fire Brigade,
 Shahpur, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Shri Chunilal Laxmanji Chauhan;
 Outside Shahpur Darwaja, Kaji Miya's Chawl,
 Near Kirannagar, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building portion on land adm. 91 sq. yds. bearing F.P. No. 68 paiki C.No. 68-B-T.P.S. 3, Kazipur, Kagdiwad situated at Shahpur, Opp. Fire Brigade, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No.10920/ October, 1979 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri ~~Basantkumar~~ Ishverdas;
Near Kailash Bhavan, Lakhijara Niwas,
Opp. Fire Brigade Station, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Chunilal Laxman Chauhan;
Outside Shahpur Darweja, Kaji Miya's Chwl,
Near Kirannagar, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1039 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Shahpur, Opp. Fire Brigade Station, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the said
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Building portion on land adm. 90 sq. yds. bearing F.P.
No. 68, paiki C. No. 68-A T.P.S. 3, Kazipur, Kagdiwad,
situated at Shahpur Opp. Fire Brigade, Ahmedabad duly
registered by Registering Officer, Ahmedabad—Vide sale deed
No. 9297/October, 1979 i.e. property as fully described there-
in.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE I,**

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1040 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- S. No. 516 paiki Plot No. 27, 28 & 29 situated at Upleta Dist. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Upleta on 10-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Navinchandra Narottamdas Zalawadia;
Inside Zalawadia Deli, Upleta.
(Transferor)
- (2) Shri Gectanjali Coop. Housing Society Ltd.,
through : President : Shri Nathalal Narsinhbhai
Mankadiya; Nawapara, Upleta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1457-7-0 sq. yds. bearing S. No. 316 paiki Plot Nos. 27, 28 & 29 situated at Upleta, duly registered by Sub-Registrar, Upleta vide sale deed No. 1047/79/10-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kishorkumar Narottamdas Zalavadiya;
Juside Zalavadiya Deli, Upleta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Geetanjali Coop. Housing Society Ltd.
through: President: Shri Nathalal Narsinbhai
Mankadiya;
Navapara, Upleta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I.
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1041 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingS. No. 316 paiki situated at Upleta Dist. Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Upleta on 10-10-1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land adm. 1363-30 sq. yds. bearing S. No. 316 paiki—
situated at Upleta, duly registered by Sub-Registrar, Upleta,
vide sale-deed No. 1048/79/10-10-79 i.e. property as fully
described therein.G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-6-1980

Seal :

FORM ITNS

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1042 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 917 paiki-TPS. 3, Sub-plot No. 11 (1/3rd share thereof) situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manubhai Chandulal Shah;
11, Rang Sagar Flats, Prabhudas Thakker,
College Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar Ghanshyambhai Shah;
Kashmira Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 840 sq. yds. bearing T.P.S. 3 F.P. No. 917 paiki-Sub-plot No. 11-1/3rd share thereof situated at Paldi, Jaibhikhu Road, Ahmedabad, duly registering Officer, Ahmedabad, vide sale-deed No. 11699/18-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHIRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1043 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 917 paiki, T.P.S. 3-Sub-plot No. 11 (1/3rd thereof) situated at Paldi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—156GI/80

- (1) 1. Shri Sanatkumar Ramanlal Shah;
2. Shri Sunil Ramanlal Shah;
3. Kamlaben W/o Ramanlal Chandulal;
All at Udayratna Flats, Narayannagar Road,
Paldi, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Bharatkumar Ghanshyambhai Shah;
Kashmira Society, Paldi, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 840 sq. yds. bearing TPS, 3-F.P. No. 917 paiki-Sub-plot No. 11-1/3rd Share thereof situated at Paldi, Jaibhikhu Road, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11698/18-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chandravijaya Singhji, Takhasinghji;
Patel Colony, Jamnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ruxmaniben Harakhchand Maheta;
Satawad, Kharva Chakla, Jamnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1044 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 39 G/S, paiki Plot No. A/3, Sub-plot No. 16 (Part) Patel Colony, Sheri No. 9, Opp. Khira Foundary, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 29-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 3556.14 sq. ft. bearing S. No. 39-G/S, paiki Plot No. A-3; Sub-plot No. 16 (Part) situated at Patel Colony, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2471/dt. 29-10-79.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1045 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2-725/1 to 24; 2-732/1 to 6 & 2-761/1 to 19 situated at Bhadrakali Mata Road, Dwarka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kalyanpur on 4-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rasikrayaji Awarkeshlalaji Maharaj; Madha-Bhuran; Moti Haveli, Porbandar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mansukhlal Kakubhai Davada, Mahajan Bazar, Dwarka.
2. Shri Rasiklal Kakubhai Davada, Mahajan Bazar, Dwarka.
3. Shri Champaklal Hitachand Kariya, Near Garabi Chawk, Dwarka.
4. Shri Nagibhai Vera Gangabha Jadiya; Near Vagher Chora Dwarka.
5. Shri Gajubha Khimanbhai; Khara Calar Road, Dwarka.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Madhukant Kantilal;
 2. Shri Vishanlal Kantilal;
 3. Shri Vishanlal Kantilal;
 4. Shri Vishanlal Kantilal;
 5. Shri Jagdish Roopchand;
 6. Shri Narain Ramji;
 7. Shri Himatlal Hiruchand;
 8. Shri Laxmandas Jamanadas;
 9. Shri Mathuradas Jamandas;
 10. Shri Sushilaben Vishanji;
 11. Shri Jamnaben Gordhan;
 12. Shri Maniben Laxman;
 13. Shri Rajgar Gagdev Kara;
 14. Gopibai Ranchhod;
 15. Shri Narain Ranchhod;
 16. Shri Kanubhai Gordhan;
 17. Shri Soni Damodar Banji;
 18. Shri Parbhatbhai Devkaran;
 19. Shri Kharya Bhailal Govind;
 20. Shri Ramdas Dayalal;
 21. Shri Kana Asa;
 22. Shri Mayabha Vosobha;
 23. Shri Kana Harji;
 24. Shri Lalji Manji;
 25. Shri Jheena Samad;
 26. Shri Khanji Bhikha;
 27. Shri Vinod Devji;
 28. Shri Chandulal Virji;
 29. Shri Muktaben Bhagwanji;
 30. Shri Jawarlal Kakubhai;
 31. Shri Valibhai Mavji;
 32. Shri Balmukund Damodar;
 33. Shri Anantrai Mohanlal;
 34. Shri Kakubhai Jiraj;
 35. Shri Tejusing Sadhusingh;
- (person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as Kamala Sadan standing on land admeasuring 3683-47 sq. mts. bearing S. No. 2-725/1 to 24, 3-732/1 to 6; & 2-761/1 to 19, situated at Bhadrakali Mata Road, Dwarka and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1370 dated 4-10-1979.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-6-1980.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1046 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Sonagadh village situated at Bharnagar Rajkot Road, Sonagadh

and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sihor on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pravinchandra Kanaiyalal Kanakiya; Legal heir as per will of decd. Kanaiyalal M. Kanakiya; C/o. National Transport Co. Musifa Bldg., Phirozshah Mehta Road, Bombay No. 1.

(Transferor)

(2) Shri Kanajiswami Digamber Jain Vishramti Gruh through President : Shri Chimanlal Himatlal Shah; Sonagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 560 x 180 sq. ft. situated on Bhavnagar Rajkot Road, Sonagadh village, Dist. Bhavnagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 884 dt. 18-10-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-6-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1047 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 462; Plot No. 1 situated at Away from Amrapali Cinema, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 4-10-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sharadchandra Revashanker Kothari; Bhaktinagar Society Marg No. 2, "Preshant", Rajkot, (Transferor)
(2) Shri Bharatkumar Bhagwanji Nathawani; Junction Plot, Rajkot. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 592-2-0 sq. yds. bearing S. No. 462, Plot No. 1 situated away from Amrapali Cinema, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 5901 dated 4-10-1979.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12-6-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 12th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1048 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 462, Plot No. 2 situated at Away from Amrapali Cinema, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajkot on 4-10-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Virendra Revashankar Kothari; Bhaktinagar Society Marg No. 2, "Prashant", Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Bharatkumar Bhagwanjibhai Nathwani; Junction Plot, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 589-7-0 sq. yds. bearing S. No. 462; Plot No. 2; situated away from "Amrapali Cinema", Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 5900 dated 4-10-1979.

G. C. GARG
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 12th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1049 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I
G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lekh No. 432 situated at Opp. Sardargadh Bungalow, Gondal Road, Rajkot,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Rajkot on 5-10-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Keshavlal Ladhahbhai Parmar; 39, Karanpara, Rajkot. (Transferor)
(2) Shri Batuklal Laxmanbhai Rathod; Bapunagar, Rajkot (On 80 ft. Road). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 169-1-72 sq. yds. bearing Lekh No. 432, situated at Gondal Road, Opp. Sardargadh's Bungalow, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 5743 dated 5-10-1979.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12-6-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1050 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 77-A & 77-B paiki Plot No. 107 situated at Village
Mana Mawa,
(and more fully described in the schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Rajkot on 26-10-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhanumati Jagjivan Patel; 15, Jagnath Plot,
Rajkot.
(Transferor)
(2) Smt. Manjula Bhanulal Sanghvi; Station Plot, Gon-
dal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the re-
spective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 907-7-12 sq. yds. bear-
ing S. No. 77-A & 77-B, Plot No. 107, situated at Western
side of St. Mary High School, of village Mana Mawa of Raj-
kot and as fully described in the sale deed registered vide
Regn. No. 6123 dated 25-10-1979.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 16-6-1980,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 16th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1051 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building known as Bhavneshwari situated at Geet Gurjari Society, Near Aerodrome, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 16-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—156GI/80

- (1) Avantilal Tuljashanker Vaid; Bhanushanker Tuljashanker Vaid; 1-Jagnath Plot, Rajkot.
(Transferors)

- (2) Shri Ratilal Vrajilal Trivedi; Bhuvneshwari, Geet Gurjari Society, Near Aerodrome, Rajkot.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 329-80 sq. mtrs. known as Bhavneshwari, situated at Geet Gurjari Society Near Aerodrome Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 5868 dated 16-10-1979.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 16-6-1980,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
Amritsar, the 9th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/61.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot at Tylor Road, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sr. Amritsar in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Mamta Rani w/o Hira Lal and Shri Hira Lal s/o Shri Ramnath r/o Lohgarh, Amritsar.

(Transferor)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 568 sq. mtrs No. 9 private out of kothi No. 73, situated on Tylor Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2061/I dated 18-10-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor road, Amritsar

Date : 9-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/62.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot at Tylor Road, situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR-Amritsar in October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Sohan Singh and Dial Singh ss/o Gian Singh r/o Katra Karam Singh Bazar Sattowala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Varinder Kumar and Satish Kumar ss/o Hira Lal r/o Lohgarh Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 265 1/2 sq. yd. situated on Tylor Road, (Plot No. 9) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2034/I dated 15-10-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/63.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Katra Nihal Singh situated at Chati Khuhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Inderjit Singh Sethi s/o Hira Singh Sethi r/o Bazar Chhati Khuhi, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shmt. Ranjit Kaur w/o Shri Gursharansingh Sethi, Manager Panjab and Sindh Bank Ltd., Nimak Mandi, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
Gurbachan Singh (Tailor Shop) 300/- P.M.
Suijan Singh shoe merchant Rs. 135/ p.m.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consisting of shops and three and a half storey building on back side No. 1677/1678/6 and No. 1859-60/61/6 and No. 2057-58/9 situated in Katra Nihal Singh Chowk Chhati Khuhi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2184/1 dated 31-10-79 of the registering Authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-6-80.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1980

Ref. No. PKT/80-81/64.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Shivaji Nagar, Pathankot, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Pathankot on October 1979 situated at SR Pathankot in October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. K. Kapur and company Sewa Ji Nagar Gali No. 2 Dhangu Road, Pathankot through Narinder Kapur self and attorney. (Transferor)
- (2) M/s Mahajan Ice Factory, Sewa Ji Nagar Gali No. 2, Dhangu Road, Pathankot through Mohan Lal Dharam Pal partners, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consists of a single storeyed structure on a plot of area 986 sq. yds. situated in street No. 2 Shivaji Nagar, Dhangu Road, Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 1706/10/79 of the registering authority Pathankot.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-6-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/65.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot at Basant Avenue ASR situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lachhman Dass so Dial Ram r/o Maqbul Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) S/Shri Darab Singh, Piara Singh Mangal Singh, Iqbal Singh ss/o Kartar Singh r/o village Marhana Tehsil Tarn Taran Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 124 situated in Basant Avenue (Tung Bala Urban) measuring 401 sq. mtrs. as mentioned in the sale deed No. 2183/1 dated 31-10-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor road, Amritsar

Date : 9-6-1980
Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/66.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Mehra wd/o Shri Lalit Chand Mehra r/o 46 Mall Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shrimati Sushila Khanna and Shri Nawal Khanna ss/o Shri Hira Lal Khanna r/o Dhab Khatikan Sain Dass Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi double storeyed No. 46-A situated on Mall Road, Amritsar (area 1084 sq. yds.) as mentioned in the sale deed No. 1945/I dated 3-10-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-6-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 9th June 1980

Ref. No. PKT/80-81/67.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing property, situated at Dalhousie Road, PKT (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nand Lal s/o Rura Mal r/o Sheran Wali Kothi Dalhousie Road, Pathankot.
(Transferor)
- (2) Shri Bal Kishan s/o Shri Lal Chand Jain, r/o Dalhousie Road, Pathankot.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of property consisting of three storey building situated on Dalhousie Road, Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 1641/10-10-79 of the registering authority, Pathankot.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Hardial Singh s/o Shri Maqsodan Singh r/o Village Gokhuwal, Teh. Batala.
(Transferor)
- (2) M/s. Panjab Rice Mills, Dera-Road, Gokhuwal, Teh. Batala.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th June 1980

Ref. No. BAT/80-81/68.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 6 K 19 Marlas, situated at Gokhuwal, Teh. Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala in November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
4—156GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals 19 marlas situated in village Gokhuwal, Teh. Batala as mentioned in the sale deed No. 5248 dated 4-11-79 of the registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-6-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th June 1980

Ref. No. BAT/80-81/69.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 6K 19M, situated at village Gokhuwal, Teh Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala in November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hardial Singh s/o Shri Maqsodan Singh r/o Village Gokhuwal, Teh. Batala. (Transferor)
- (2) M/s Panjab Rice Mills, Dera Road, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals 19 marlas situated in village Gokhuwal, Teh. Batala as mentioned in the sale deed No. 5263 dated 15-11-79 of the Registering Authority, Batala.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/70.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one building situated at Katra Karan Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurcharan Singh Chatha s/o Arjan Singh r/o Nimak Mandi, Goli Gandam, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Purnam w/o Shri Bal Kishan and Smt. Mandhani w/o Shri Sarup Narain r/o D-14-A27 Model Town, Delhi.
(Transferee)
- (3) Shri Gopal Kishan Rs. 42/- p.m. Salig Ram Rs. 30/- p.m. Lala Jugal Kishore Rs. 58/- p.m. since 1957.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One bldg. No. 382 to 399/New No. 843/VIII-6 situated in Katra Karam Singh Amritsar, Gali Mushki Mohalla, as mentioned in the sale deed No. 1969/I dated 10-10-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/71.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot of land 3 kanal 9 1/2 m situated at Sultanwind Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, in October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jasbir Singh, Manjinder Singh ss/o Naranjan Singh r/o Sultanwind Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s. Wool Finishers,
52-B East Mohan Nagar,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3 kanals 9 1/2 marlas situated on Sultanwind Road (G.T. Road, as mentioned in the sale deed No. 4173 dated 11-10-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/72.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

Plot of land, situated at Sultanwind Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jasbir Singh, Manjinder Singh s/o Niranjana Singh r/o Sultanwind Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Parveen Kumar s/o Ajay Kumar r/o Katra Ahluwalia, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3 kanals 9 1/2 marla situated on Sultanwind Road, as mentioned in the sale deed No. 4172 dated 11-10-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st June 1980

Ref. No. ASR/80-81/73.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 474 situated at Green Avenue Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Amritsar Improvement Trust Amritsar. (Transferor)
(2) Shri Kishan Kumar Bhatia s/o Shri Gopi Chand r/o 474 Green Avenue Amritsar. (Transferee)
(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
(4) Any other, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 474 measuring 1138.4 sq. yds. situated in Green Avenue Amritsar as mentioned in sale deed No. 1932/I dated 3-10-79 of the Registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 21-6-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 21st June 1980

Ref. No. ASR/80-81/74.—Whereas I. M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Daya Nand Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in December 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bimla Rani w/o Shri Tilak Raj r/o Kothi No. 29 Daya Nand Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Urmal Rani w/o Sh. Kamal Jit Singh and Smt. Meena Kumari r/o Bazar Keserian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 29-A situated in Daya Nand Nagar, as mentioned in the sale deed No. 2647/I dated 18-12-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 21-6-1980.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st June 1980

Ref. No. ASR/80-81/75.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Daya Nand Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Promila Mehar w/o Sh. Om Parkash r/o Dia Nand Nagar Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Urmala Rani w/o Inderjit Singh, Meena Rani w/o Shri Vimaljit Singh & Parveen Kumari w/o Pardeep Kumar r/o Bazar Kaserian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 29 A No. 8 15/13-19 and No. 1621/13-19 situated in Daya Nand Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1966/I dated 9-10-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 21-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/76.—Whereas I, M. I. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Ktr. Sher Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

25—156Cf/80

- (1) Shri Lashmi Chand s/o Amin Chand,
r/o Village Kotwali, Tehsil Nagina,
Distt. Bejnore through Sh. Tilak Raj s/o
Sh. Ram Nath. (Transferors)
- (2) Sh. Suresh Kumar, Sh. Lachhman Dass,
r/o Ktr. Sher Singh,
Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1383/12-9 & No. 1383C/12-9, situated in Ktr. Sher Singh Oppst. Regent talkies as mentioned in the sale deed No. 19621 dated 9-12-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. I. MAHAJAN, IRS
Competent Authority.
Acquisition Range,
3, Chanderpuri taylor road, Amritsar

Date : 26-6-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th March 1980

Notice No. 272/79-80/Acq.—Whereas I, H. TIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Matríz No. 50, Surveyed under No. 128/1 to 4, situated at Kakoda Village-Quepem, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quepem-Goa under Document No. 247/79 on 27-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Gajanana Pondori Naique Cormoli and Anunsua Naique Cormoli,
2. Bogvonta Pondori Naique Cormoli and Vassundara Naique Cormoli,
3. Hori Esvonta Naique Cormoli and Janaqui Naique Cormoli,
4. Pulagi Esvonta Naique Cormoli and Kishori Naique Cormoli,
5. Panduronga Naique Cormoli Alias Pandarinath Naik Karmali and Nila Panduronga, Naique Cormoli,
6. Ajita Visvonata Naique Cormoli,
7. Dilipa Visvonata Naique Cormoli, &
8. Siipada Visvonata Naique Cormoli
All residing at Cacora, Goa. [Transferor(s)]
- (2) M/s. Sharieff Enterprises, Mine Owners & Transport, Operators, Represented by Managing Partner Shri Kolar Naycemulla Sharieff P.B. No. 35, Bansai, Curchorem, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 247/79. Dated 27-10-1979)
Property known as "Bansai Cutumbona" admeasuring 4165.72 Sq. meters, situated in Kakoda village in the sub-district of Quepem. The land bears matríz No. 50, surveyed under No. 128/1 to 4.

H. TIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-3-1980
Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, 27th May 1980

C.R. No. 62/25129/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 810-1A & T.S. No. 652-1A situated at Kodialbail Village, Mannagudda Ward, Mangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mangalore City Doc. No. 429/79-80 on 3-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Somashekar Rao Kadle
Near Navarang Talkies, Rajajinagar,
Bangalore-560010,

(Transferor)

(2) Shri M. Ramesh s/o Sri Govind Achar,
Manager, Canara Bank,
Dibbarahalli Branch,
Kolar District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as

House site in T.S. No. 652-1A & R.S. No. 810-1A of 23 cents, situated in Kodialbail Village, Mannagudda Ward, Mangalore City.

H. THIMMAIAH

Competent Authority,

Acquisition Range, Bangalore

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-5-1980

Seal :

FORM ITNS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. 62/25607/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 899, T.S. No. 269

situated at Casaba Bazar Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore-city Document No. 737/79-80 on 30-11-1979 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Balakrishna Shenoy,
s/o Gopalakrishna Shenoy,
Car Street, Mangalore-1. (Transferor)

(2) Shrimati Leela V. Bhat,
s/o Dr. M. Vasudeva Bhat,
New field Street,
Mangalore-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 737/79-80 Dated 30-11-1979]
Land and Building, situated at Casaba Bazar Village,
Mangalore Town.
R.S. No. 899 and T.S. No. 269
7½ cents or 313.70 Sq. Metres with Building No.
12-2-188,

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-6-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. 62/25586/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site No. 352, Municipal No. 352/2, situated at 37th 'A' cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar Document No. 2620/79-80 on 24-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri G. B. Nagaraja, 683,
16th Main Road, 4th 'T' Block,
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shrimati Chandra Rajaram
547/4, & 5, Essar Mansions
I floor, R. V. Road,
Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2620/79-80 Dated 24-11-79]

Vacant site No. 352
Municipal No. 352/2, 37th 'A' cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-11.
Boundaries :

On North : Site No. 348 & 349
On South : 37th 'A' cross road
On East : site No. 353
On West : site No. 354.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-6-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. 62/25171/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at West of Chord Road, II Stage, Rajajinagar, Bangalore-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 2783/79-80 on 15-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati J. T. Rajeshwariammal,
w/o D. Swamynatha Mudaliar,
No. 26/A, Mahalakshmi Layout,
Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

(2) Shri B. Venkatadri Setty,
s/o B. Rangaiah Setty,
No. 2954, II Stage,
Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2783/79-80. Dated 15-10-1979]

Vacant Site No. 5, West of Chord Road, II Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.
Measuring 468.59 Sq. Mts.
Bounded by on
North : Private property
South : Road
East : Road
West : Private property.

H. THIMMAIAH
Acquisition Range, Bangalore
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Date : 21-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. 62/25778/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, (Old No. 23) situated at Ratan Singh Road, Frazer town, Town, Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 2239/79-80 on 3-11-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Lakshmiyammal, w/o Late Narayanaswamy, 22/1, No. 8, Mudaliar Garden, 4th Block, Williams Town, Bangalore-66. (Transferor)
- (2) Shri Rasool Beig, S/o M. Mohammed Beig, No. 5, Ratan Singh Road, Frazer Town, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2239/79-80. Dated 3-11-79]

Property bearing No. 5, (Old No. 23), Ratan Singh Road, Frazer Town, Bangalore-5.

Bounded on the

East by Premises No. 22
West by Premises No. 24
North by Railway Lane
South by Ratan Singh Road.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. 62/26118/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9, situated at Brunton Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair Shivanagar, Bangalore DOC No. 2972/79-80 on 17-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Mary Margret Kelly
2. Miss Bridget Kelly
3. Mrs. Noel Dorothy Mayes,
All residing at No. 9, Brunton Road,
Civil Station, Bangalore.

(Transferors)

- (2) 1. Shri D. Anand Basappa, s/o Basappa,
No. 13, Crescent Road,
High Ground, Bangalore.
2. Malathi Kartar Singh Lalvani,
No. 13, Crescent Road,
High Ground, Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2972/79-80 Dated 17-1-1980]
Residential Premises bearing No. 9, Brunton Road, Civil Station, Bangalore.

Bounded on

North by Premises No. 8
South by Premises No. 10
East by Private property
West by Brunton Road.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-6-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th June 1980

C. R. No. 62/25636/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal old No. 63 and New No. 61 situated at Gandhi Bazar Road, Bangalore-4 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Document No. 2240 on 9-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—156GI/80

(1) Shri M. R. Lakshmikantha Rao
Special power of attorney holder
On behalf of Smt. Savithri Prabhakar
No. 54, Gandhi Bazar road,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri T. K. A. Narayan
s/o Krishnaiah Setty
No. 37/1 H. B. Samaja Road,
Basavanagudi,
Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2240 Dated 9-11-1979]

House Property bearing No.
Municipal old No. 63, and New No. 61
Gandhi Bazar road,
Bangalore-4.

Boundaries :

On North — Gandhi Bazar road
On South — Conservancy lane
On East — Sri Venkataramaiah's House
On West — Sri Gurumurthy Shastry's House.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Acquisition Range, Bangalore
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Date : 28-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 21st April 1980

Ref. No. IAC/ACO/135/80-81.—Whereas I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 669/2, 3 & 4 670/1, situated at Ramnagar, Gondia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (1606 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhandara on 26-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rukibai Jethanand Puraswani,
Smt. Shila Prataprao Gambhani,
Shri Hargundas Kisandas Puraswani,
No. 1 and 3, Ramnagar, Gondia,
and No. 2, Ulhasnagar, Gondia.

(Transferors)

- (2) Shri Laxmandas Jawaharnal Lalwani,
Dhamtari, Dist. Raipur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 669/2, 3 & 4 & Plot No. 670/1, Ramnagar, Signal Toli Ward, Sheet No. 38-C, Gondia, Dist. Bhandara.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 21-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babulal Govindrao Wani,
Garudkhamb,
Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Prabhavati Shankarlal Trivedi,
Badkas Chowk,
Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR
Nagpur, the 21st April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/136/80-81.—Whereas J. S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 309/04, Circle No. 9, Ward No. 10D, situated at Garudkhamb, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 12-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 309/04, Circle No. 9, New Ward No. 10D,
No. 3, Garudkhamb, Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 21-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CEMBER, SADAK
NAGPUR

Nagpur, the 21st April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/137/80-81.—Whereas I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part Portion of Plot No. 9, Nazul Sheet No. 9, situated at Amravati, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amravati on 5-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Nitinkumar Laxminarayan Mudliar, Minor through Smt. Sushilabai Laxminarayan Mudliar, Amravati, (Transferor)
- (2) Lokmanya Gruh Nirman Saustha, President Shri Madhukar Pandurang, Gulhane, Mall Road, Amravati. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part Portion of Plot No. 9, Nazul Sheet No. 9, Land of East side, at Amravati.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 21-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 23rd April 1980

A.C. No. IAC/ACQ/138/80-81.—Whereas I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 574/1, situated at Asgaon, T & T, Bhandara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhandara on 15-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Pandurang Lalji Buzekar,
2. Baburao Lalji Buzekar,
Both resident of Konda,
Tah. & Dist. Bhandara.

(Transferors)

- (2) Shri Narayan Shivramji Shenmare,
Lakadganj, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Timber machinery and House Gat No. 574/1, Area 10,875 Sq. ft. at Mouja Asgaon, Tah. & Dist. Bhandara.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 23-4-1980

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
THAKKARS BUNGALOW, GIRIPETH,
NAGPUR

Nagpur-10, the 23rd April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/139/80-81.—Whereas I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 305-A and 306-A, situated at Partur Dist. Parbhani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Partur on 22-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Laxmichand Lalji,
2. Shri Ratilal Padamsingh,
Director Padamse Muhji Ginning & Pressing Co. Ltd.,
Partur.

(Transferors)

- (2) Shri Inderchand Bhawarilal Chhallani,
Mantha, Tah. Partur,
Dist. Parbhani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. $\frac{305}{A}$ and $\frac{306}{A}$ Area, 12.32 H.Rs. Land
Mouja Partur Dist. Parbhani.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 23-4-1980
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 13/OCT/79.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 134 & 134A situated at Dindigul Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. No. 3981/79) on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. V. Arunachalam
2. Minor A. Karunanidhi s/o No. 1
3. Minor A. Senthil s/o No. 1
24, Koodalalagar Perumal Koil Street,
Madurai-1.

(Transferors)

- (2) Smt. T. Rajalakshmi Ammal,
w/o Shri S. Thangasamy Chettiar,
11, Maranainar Street, Elayangudi,
Ramnad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3981/79 JSRO II, Madurai

Land & Buildings at Door No. 134 & 134A, Dindigul Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 29-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 14/OCT/79.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

134 & 134A, situated at Dindigul Road, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. No. 3980/79) on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri S. V. Chockalingam,
2. Minor C. Srinivasan, S/o No. 1
No. 24, Koodalalagar Perumal Koil Street,
Madurai. (Transferors)
- (2) Smt. T. Rajalakshmi Ammal,
w/o Shri S. Thangasamy Chettiar,
11, Maranainar Street, Flayangudi,
Ramnad Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3980/79 JSRO II, Madurai

Land & Buildings at Door No. 134 & 134A, Dindigul Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 29-5-1980

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 15/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

134 & 134A, situated at Dindigul Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. No. 3977/79) on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27--156GI/80

(1) Shri S. V. Ramanathan,
No. 520, Mount Road, Tenampet, Madras.
(Transferor)

(2) Smt. T. Rajalakshmi Ammal,
w/o Shri Thangasamy Chettiar,
11, Maranainar Street, Elayangudi,
Ramanad Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3977/79 JSRO II, Madurai

Land & Buildings at Door No. 134 & 134A, Dindigul Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 29-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I MADRAS**

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 41/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 294/3, situated at Alagarkoil, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Alagarkoil, Madurai (Doc No. 1711/79) on Oct 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. V. Chandra Ammal,
W/o Shri T. Vairamuthu Nadar,
2. Shri P. Thangaia Nadar,
No. 42, Muthia Mudali Lane, Manjanakara
Street, Madurai. (Transferor)
- (2) 1. Shri R. M. V. Sasivarnam,
2. Shri R. M. V. Balasubramaniam,
No. 56 Adimola Achari Street, Madurai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1711/79 S.R.O. Alagarkoil, Madurai.
Land & Buildings at S. No. 294/3, Alagarkoil, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 29-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 43/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 4 to 7, situated at Varadarajaperumal Koil Street, Madras-81

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SRO Royapuram, Madras (Doc. No. 1436/79) on Oct. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri V. P. Subramania Mudaliar
2. Smt. Ponnammal.
3. Usha Rani,
4. Shri V. S. Parthasarathy and
5. Leela Rani
No. 4, Annaswamy Mudali Street, Madras-43.
(Transferor)
- (2) 1. Shri G. Bhawaral
2. Mrs. Mohanbai &
3. Shri B. Rameshchand,
No. 7, Varadarajaperumal Koil Street, Madras-81.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1436/79 S.R.O. Royapuram, Madras.
Land & Buildings at Door Nos. 4, 5, 6 & 7, Varadarajaperumal Koil Street, Madras-81.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date:- 29-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 57/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New Door No. 2, situated at Singarayar Colony, Tallakulam, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Madurai (Doc. No. 4353/79) on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. A. Ayishabi,
W/o Shri K. Koolappan,
Retd. Sub-Judge,
No. 19/1, Hubchena Road 6th Cross Cook, Town,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Manjula M. Ajmera,
W/o Shri M. K. Ajmera,
No. 21, Dt. Board Colony, South Street,
Madurai.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4353/79 S.R.O. Madurai.

Land & Buildings at New Door No. 2 (Old Door No. 33)
Plot No. 29, Singarayar Colony, Tallakulam, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 29-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-60006, the 9th June 1980

Ref. No. 11/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old No. 1037 (New No. 14), situated at Lakshmipuram 7th Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Ooc. No. 3836/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. R. Muthammal,
No. 3/830, Abdulla Rawther Lane,
Melapallivasal Street,
Paramakudi.

(Transferor)

- (2) Smt. L. Saroja,
Pandugudi Village,
Thiruvadanai
Ramnad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3836/79 J.S.R. II, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 1037 (New No. 14),
Lakshmipuram 7th Street Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 9-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I**

Madras-600 006, the 9th June 1980

Ref. No. 12/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1037 (New No. 14), situated at Lakshmipuram 7th Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madurai (Doc. No. 3835/79) on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. R. Muthammal,
No. 3/830, Abdulla Rawther Lane,
Melapallivasal Street,
Paramakudi, Ramnad Dt.

(Transferee)

- (2) Smt. L. Saroja
Pandugudi Village,
Thiruvadanai Taluk,
Ramnad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3835/79 JSRO II, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 1037 (New No. 14), Lakshmipuram 7th Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 9-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 9th June 1980

Ref. No. 36/OCT/79.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. 6, situated at Second Line Beach, Madras-1, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madras North (Doc. No. 4101/79) on October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Marshall Sons & Co., (India) Ltd.,
No 6, Second Line Beach,
Madras-1.

(2) Burhani Estate,
21-A, Errabalu Chetty Street,
Madras-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4101/79 JSRO II, Madras North.

Land & Buildings at Door No. (New) 6, Second Line Beach, Madras-600 001.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 9-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006 the 9th June 1980

Ref. No. 71/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Post Office Street, Madras-1, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO III Madras North (Doc. No. 3953/79) on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Mill Stores Private Ltd.,
No. 15, Errabalu Chetty Street,
Madras-600 001

(Transferor)

(2) 1. Mr. K. Mohamad Yuseen @ K. S. K. Mohamed Yaseen Rowther.

2. Mrs. Saluha Beevi

-No. 2, River Street, Devakottai.

(now at No. 28, Bussorah Street, Singapore).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3953/79 JSRO III, Madras North.

Land & Buildings at Door No. 1, Post Office, Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 9-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

aMdras-600006, the 9th June 1980

Ref. No. 81/NOV/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. 41, situated at Armenian Street, Madras-1, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO III Madras North (Doc. No. 4729/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

28—156GI/80

(1) Smt. Sulochana,
40, Nagappa Iyer Street,
Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

(2) Shri Fakhruddin Mohammed Ali &
Smt. Fathima Bai,
No. 8, Singanna Naicken Street,
George Town, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4729/79 JSRO III, Madras North,

Land & Buildings at Door No. 41, Armenian Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 9-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madrass-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10443.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. 1/1402/1, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh at Coimbatore (Doc. 5162/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Rajarajeswari Enterprises,
358, Vysial St., Coimbatore.

(Transferor)

- (2) K. Subbiah Naidu, Lakshmi Nivas
Balasundaram Chettiar Road
P. N. Palayam, Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. No. 1/1402/1, Krishnarayapuram.
(Doc. 5162/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madrass-600 006

Date: 17-6-1980,
Seal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10443.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 1/1402/1, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 5163/79) on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Rajarajeswari Enterprises
358, Vysial St. Coimbatore-1.

(Transferor)

- (2) K. Parthasarathy, P. Somasekaran
236, Thani Road, Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in TS No. 1/1402/1, Krishnarayapuram
(Doc. 5163/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, Madras-600006

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10443.—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 1/1402/1, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5164/79) on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Rajarajeswari Enterprises
358, Vysial St., Coimbatore-1.
(Transferor)
- (2) S. Devaraj.
68B, Race Course, Coimbatore-18.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land TS No. 1/1402/1, Krishnarayapuram.
(Doc. 5164/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date:- 17-6-1980.
Seal :

FORM FINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

MADRAS-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10428.—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door Nos. 1 to 11, situated at S. No. 358 and 344 Melur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. 1152/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Nilgiris Diocesan Society
Bishop's House, Ootacamund.

(2) Olands Estate Company,
Ootacamund.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at R. S. No. 344 and S. No. 358 Melur.
(Doc. 1152/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006.

Date : 17-6-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madrās-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10428.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Palmyrah Estate, situated at Melur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. 1151/79) on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Nilgiris Diocesan Society
Bishop's House, Ooty.

(Transferor)

- (2) Inlaks Shipping Co. Ltd.
86/87, Atlanta Nariman Point
Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building known as Palmyrah Estate, Melur.
(Doc. 1151/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madrās-600 006.

Date : 17-6-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Mariammal, A. Soosal Raj
A. Arputhaswamy, A. Selvamuthu
Kannampalayam, Palladam Tk.

(Transferor)

(2) Mathi Yarns,
3, Jawane Bhavan,
Municipal Tourist Bungalow Road,
Coimbatore-641 018

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th June 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 10483.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing GS No. 312/1, at Kannampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sulur (Doc. 10483/79) on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building GS No. 312/1, Kannampalayam,
(Doc. 1587/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-6-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10441.—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 19/43.44, Big Bazaar St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5517/79) on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) K. Shahul Hameed, (A) K. S. Hameed
Banu Rice Mill, Athikode
Palghat Dt.

(Transferor)

- (2) A. C. Kunjamathkutty
P. Abdulla, P. K. Aaisoo
19/43.44, Big Bazaar St.,
Coimbatore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19/43.44, Big Bazaar St., Coimbatore.
(Doc. 5517/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 17-6-1980
Scal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II**

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10441.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19/43, Big Bazaar St., situated at Coimbatore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5213/79) on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Shahul Hameed, Banu Rice Mill
Athikode, Kerala. (Transferor)
- (2) A. C. Kunjahamath Kutti P. Abdulla
P. K. Aaisoo
19/43.44, Big Bazaar St., Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19/43, Big Bazaar St., Coimbatore. (Doc. 5213/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7524.—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, Jagadambal Colony, situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylepore (Doc. 1688/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) B. Ramanatha Dayey
Mrs. R. Janaki Bai,
6, Jagadambal Colony, Madras-14.

(Transferor)

- (2) V. Krishnamurthy & K. Sundari
331, Lloyds Road, Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6, Jagadambal Colony, Madras-14, (Doc. 1688/79).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-6-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) G. N. Rajalakshmi
121, Sterling Road, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) R. Ramachandran, 29, Saravana Mudaliar St.,
Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7667.—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/16, Sterling Road, situated at Madras-34 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 4195/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1/16, Sterling Road, Madras-34.
(Doc. 4195/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 17-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7692.—Whereas, J. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, II St., Gopalapuram, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1777/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. M. Chellam &
C. Seetharaman
No. 11, II St., Gopalapuram,
Madras-86.

(Transferor)

(2) Mrs. Dayavathi & Prabhakaran
45, Edward Elliotts Road
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 11, II St., Gopalapuram, Madras.
(Doc. 1777/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-6-1980

Seal:

FORM ITNS—

(1) D. Rajendra Babu,
162, Llyods Road, Gopalapuram,
Madras-86

(Transferor)

(2) Mrs. Jainubi, Mrs. Kathejama
Mrs. Noorjahan, 13, Pooram Prakasha Rao Road,
Balaji Nagar, Madras-14.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7695.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, Cross St., Pooram, situated at Prakasa Rao Road, Balaji Nagar, Madras-14 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1809/79), on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15, Cross St., Pooram Prakash Rao Road, Balaji Nagar, Madras-14.
(Doc. 1809/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7699.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

56, Luz Church Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Mylapore (Doc. 1830/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. R. Kamakohi (Alias) R. K. Nathan
Mrs. R. Sulochana
Mrs. R. Neela
Mrs. S. Sarojini
56, Luz Church Road, Madras-4

(Transferor)

(2) M/s Mahalakshmi Chambers
121, Mount Road, Madras-6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 56, Luz Church Road, Madras-4.
(Doc. 1830/79).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 17-6-1980

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 8797.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. 1216/1, situated at E. V. R. Road, Karur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur (Doc. 4080/79) on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) A. T. Pichaimuthu Chettiar
Narasimhapuram, Karur
Rajammal W/o A. T. Pichaimuthu Chettiar
Narasimhapuram, Karur
Shantha W/o Govindaraju
Narasimhapuram, Karur

(Transferor)

- (2) S. P. Samiyathal W/o Palaniswamy
Annanagar, Karur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS No. 1216/1, E. V. R. Road, Karur.
(Doc. 4080/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 17-6-1980
Seal :

